

भारत-ब्राजील हर क्षेत्र में सहयोग सुदृढ़ कर द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर पहुंचाएंगे: मोदी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्राजील ने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने तथा अगले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार देर रात यहां ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा के साथ मुलाकात के बाद संयुक्त वक्तव्य में यह बात कही। राष्ट्रपति लूला को भारत और ब्राजील सामरिक साझेदारी का पक्षधर बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा, 'आज की चर्चाओं में हमने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने पर बात की। हमने आने वाले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर भारत-मकोसुंर वरीय व्यापार समझौते के विस्तार पर भी काम करेंगे। श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद

के खिलाफ लड़ाई पर भी दोनों देशों की सोच समान है। दोनों देश आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने तथा दोहरे मानदंडों का विरोध करने की नीति पर एकमत हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारा स्पष्ट मत है कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम आतंकवाद और आतंकवाद के समर्थकों का कठोर विरोध करते हैं। प्रधानमंत्री ने ब्राजील द्वारा उन्हें सर्वोच्च

पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर आभार प्रकट किया और कहा कि वह इस सम्मान को भारत के प्रति ब्राजील की गहरी प्रतिबद्धता और अटूट मित्रता को समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, आज, राष्ट्रपति द्वारा मुझे ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया जाना मेरे लिए ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावुकता का पल है।

मैं इसके लिए उनका, ब्राजील सरकार और ब्राजील के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा दोनों देशों की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा , इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए आज जो समझौता किया गया है उससे हरित लक्ष्यों को को नयी दिशा और गति मिलेगी। इस वर्ष ब्राजील में होने जा रही कॉप-30 बैठक के लिए मैं राष्ट्रपति लूला को शुभकामनाएं देता हूँ। प्रधानमंत्री ने रक्षा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग को दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास का प्रतीक बताया और कहा कि दोनों देश अपने रक्षा उद्योगों को आपस में जोड़ने के प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने कहा , ए आई और सुपरकंप्यूटर में हमारा सहयोग बढ़ रहा है। यह समावेशी विकास और ह्यूमन-सेंट्रिक इनोवेशन की हमारी एक जैसी सोच का प्रमाण है।



नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार की सुबह गुजरात में एक बड़ी दुर्घटना हो गई आज सुबह वडोदरा के पदरा में मुजपुरा-गंभीरा पुल बीच में से टूट गये घटना के वक्त पुल से गुजर रहे लोग अपने वाहनों समेत महीसागर नदी में गिर गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है। कुछ घायल हुए हैं। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 स्पैन में से एक के ढहने से हुई त्रासदी सुखद है। यह पुल 1985 में बना था और 40 साल पुराना यह पुल जर्जर हो चुका था। कई बार स्थानीय लोगों ने प्रशासन का ध्यान भी इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया। लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी

निद्रा में सो रहा था और उसे इस पुल की हालत पर कभी ध्यान ही नहीं गया। नतीजा यह हुआ कि कई लोग मारे गए। बड़ी दुर्घटना के बाद अब प्रशासन को जाँच-पड़ताल करना याद आया। घटना के बारे में मुख्यमंत्री ने जानकारी हासिल कर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। पुल दहने के मुद्दे पर प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल का बयान सामने आया है। जिसमें आणंद और पादरा को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा दह गया है। 5 लोगों को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि 212 करीब की लातात से एक नया पुल बनाने की भी मंजूरी दी गई थी। आज हुई दुर्घटना में कई वाहनों के नदी में गिरने की आशंका है।

प्रार्थना के लिए चर्च जाना महंगा पड़ा, मंदिर बोर्ड के अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली, एंजेसी। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी ने अपने एक पदाधिकारी को निलंबित कर दिया है। तिरुपति पदाधिकारी के कथित तौर पर प्रार्थना के लिए चर्च जाने पर यहाँ कार्रवाई की गई है। साथ ही आरोप लगाए जा रहे हैं कि वह ईसाई धर्म के प्रचार में लगे हुए थे। इससे पहले भी टीटीडी करीब 18 कर्मचारियों पर ऐसे ही कारणों के चलते निलंबन की कार्रवाई कर चुका है। टीटीडी ने असिस्टेंट एजीक्यूटिव ऑफिसर ए राजशेखर बाबू को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। आरोप लगाए गए हैं कि वह तिरुपति जिले में अपने गृहणार में प्रार्थना के लिए हर रविवार चर्च जाते हैं। साथ ही आरोप लगाए गए हैं कि बाबू ईसाई धर्म के प्रचार में शामिल रहे हैं, जो हिंदू ट्रस्ट में शामिल कर्मचारियों के लिए बनी आचार संहिता का उल्लंघन है। टीटीडी के विजिलेंस डिपार्टमेंट की तरफ से रिपोर्ट और अन्य सबूत पेश किए जाने के बाद राजशेखर बाबू के खिलाफ कार्रवाई की गई है। खबरें हैं कि चर्च जाते और प्रार्थना में शामिल होते हुए उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ है।



नई दिल्ली, एंजेंसी। नाटो के महासचिव मार्क रूटे की ताजा चेतावनी ने इसी डर को हवा दी है। रूटे का दावा है कि अपने चीन ने तावाना वरुण हमला किया, तो उससे पहले पुतिन किसी नाटो देश वरुण हमला कर यूरोप को उलझा देंगे ताकि चीन का राह खाली हो जाए। इंटरव्यू में रूटे ने कहा, ह्वाअंग शी जिनपिंग तावाना वरुण हमला करते हैं तो वह पहले अपने जूनियर पार्टनर व्लादिमीर पुतिन को कॉल करके और कहेंगे- ह्वा मैं ये करने जा रहा हूं, तुम यूरोप में नाटो को व्यस्त रखो। ये बयान नाटो समित के दौरान

बुसेल्स में आया और इसके पीछे की रणनीति डराने वाली है। खुद रुटो को पहले उनके एक बयान के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी जिसमें उन्होंने ट्रंप को ह्यूडैडीहू कहकर संबोधित किया था जब ट्रंप ने इजरायल-ईरान संघर्ष को थामने में पहल की थी। लेकिन बची-बचाला ये है कि अगर चीन-रूस ने ऐसा दोतरफा गेमप्लान सच में अपना लिया तो क्या अमेरिका और नाटो इसे रोक पाएंगे? चीन पहले से ही ताइवान को अपना हिस्सा बताता रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुलेआम कह चुके हैं

कि अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक ह्युनुर्मिलनह्क करया जाएगा। लेकिन ताइवान की जनता आजादी के मौजूदा स्ट्रेट्स को ही सही मानती है। अब अगर चीन हमला करता है और उसी वक्त रूस यूरोप में कोई हमला कर देता है, तो अमेरिका और नाटो दो मोर्चों पर बंट जाएंगे। रूटे की मानें तो यह ही सबसे बड़ा खतरा है और इसी को रोकने के लिए नाटो को अपनी ताकत दिखानी होगी। उन्होंने कहा, ह्कहमें दो काम करने होंगे। एक, नाटो को इतना ताकतवर बनाना कि रूस हमला करने की सोचे भी नहीं। और दूसरा, इंडो-पैसिफिक के साथ मिलकर काम करना, जो राष्ट्रपति ट्रंप पहले ही कर रहे हैं ह्कह रूटे ने कहा कि ह्कह ट्रंप की ह्कहअमेरिका फर्स्टह्क नीति के बावजूद वह इंडो-पैसिफिक में साझेदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने ट्रंप की डिफेंस टीम की तारीफ करते हुए मार्को रूबियो और पीट हेगसेथ जैसे नेताओं को ह्कडुत्कूफ फॉरन पॉलिसी टीमह्क बताया।

अभिनेत्री आलिया भट्ट
की पूर्व पीए 76 लाख की
धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेत्री आलिया भट्ट की पूर्व पर्सनल असिस्टेंट वेदिका प्रकाश शेठ्ठी को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस, इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और उनके पर्सनल कार्डाऊस पर से हड़प लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रकाश शेठ्ठी ने इन दोनों खातों से 76,90,892 रुपये की धोखाधड़ी की है। वेदिका प्रकाश शेठ्ठी आलिया भट्ट की करीबी टीम का हिस्सा थीं और पर्सनल असिस्टेंट के तौर पर काम कर रही थीं। इसी प्रोडक्शन का फायदा उठाकर उन्होंने कथित रूप से पैसों की हेराफेरी की। मामला सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मच गई है। मामला जुहू पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है और शुरुआती जांच के बाद वेदिका शेठ्ठी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कहा जा रहा है कि वे लंबे समय से इस फ्रॉड को अंजाम दे रही थीं। पुलिस इस बात की तपत्ती कर रही है कि कैसे किस तरह और कब-कब निकाले गए। हालांकि अब तक आलिया भट्ट या उनकी टीम की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस बैनर की पहली फिल्म थी ह्याडलिंग्ससहज सिने शाहरुख खान की रेड विलीज एंटरटेनमेंट के साथ को-प्रोड्यूसर किया गया था। फिल्म में आलिया के साथ विजय वर्मा और शेफाली शाह ने काम किया था। यह फिल्म नेटफिलिक्स पर रिलीज हुई थी। इस वक्त आलिया भट्ट अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक स्पॉट यूनिवर्स फिल्म है, जिसमें आलिया के साथ शरवती बाघ भी नजर आएंगी। फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने जा रही है।

'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार



नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइलस: कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' की रिलीज के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने मोहम्मद जावेद की याचिका पर तत्काल विचार करने से इनकार किया, लेकिन उनकी ओर से पेश अधिवक्ता से कहा कि वो 14 जुलाई को (गर्मी की छुट्टियों के बाद) अदालतें फिर से सामान्य रूप से खुलने पर मामले का उल्लेख कर सकते हैं। जावेद उदयपुर के 2022 को कन्हैया लाल तेली हत्याकांड के आरोपियों में शामिल हैं। उसने 11 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की है। शीर्ष अदालत के जावेद की याचिका पर इनकार और 14 जुलाई को फिर उल्लेख करने की अनुमति पर उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि तब तक वह हिंदी फिल्म रिलीज हो जाएगी और निष्पक्ष सुनवाई का उनका अधिकार प्रभावित होगा। पीठ पर उनकी इस दलील का कोई असर नहीं पड़ा और उसने तत्काल सुनवाई की याचिका को अस्वीकार करते हुए कहा, 'ह्रस्व से रिलीज होने दिया जाए। जावेद की

याचिका में दावा किया गया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है और संबंधित हत्या मामले में चल रही न्यायिक कार्यवाही को प्रभावित कर सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आगे तर्क दिया गया कि एक दर्जी की हत्या मामले से संबंधित घटनाओं पर आधारित बताई जा रही इस फिल्म की स्क्रीनिंग निष्पक्ष सुनवाई के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन करेगी। उन्होंने मामले की सुनवाई पूरी होने तक फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की। उदयपुर के एक दर्जी, कन्हैया लाल तेली की जून 2022 में कथित तौर पर मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौस ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। आरोपियों द्वारा कथित तौर पर दर्जी को गई इस हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले की जाँच की थी। आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अज्ञात तय किए गए हैं।

मतदाता सूची विवाद के चलते बिहार जैसा मॉडल पूरे देश में लागू करेगा आयोग



लिए अनिवाय हैं। उनका यह बयान सर प्रक्रिया के पीछे की मंशा को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मरदादा सूची से नकली और दोहराए गए नामों को हटाना है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है। हालांकि, यह फुसला विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती बन सकता है। बिहार में रक़तलागू होने के बाद आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मरदादाओं के नाम काटने की सजिा करार दिया है। इसको लेकर गुधवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है। आरजेडी सांसद मजो ज्ञान ने हाल ही में चुनाव आयोग पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में आयोग ने उनके दावों को धूमक बनाया। विपक्ष का तर्क है कि सर प्रक्रिया का ठरूपयोग सतरारूढ़ पार्टी के हित में हो सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां 2026 या उससे पहले विधानसभा चुनाव होने हैं।

गजब है- सीधी के गांव में बगैर बिजली के शुरू कर दी स्मार्ट क्लास

नई दिल्ली, एजेंसी। अंधेर
नगरी चौपट राजा। ये कहावत
मग्न के सिंगरौली जिले में सटीक
बैठ रही है। यहां गांव में घुप
अंधेरा है, लेकिन स्कूल में स्मार्ट
क्लास चालू कर दी गई है।
मामला ग्राम जोगियानी के
शासकीय विद्यालय में बिना
बिजली कनेक्शन के ही एक
टैबल्ट स्क्रीन क्लासरूम (एलईडी
टैबल्ट) का उद्घाटन कर दिया
गया है। यह चौंकाने वाला
मामला ग्रामीण जनता और
स्कूली छात्र-छात्राओं में भारी
गुस्से का कारण बन गया है
और उनके भविष्य पर गहरा
सवालिया निशान लगा रहा है।
स्थानीय निवासियों और छात्रों ने
जिला कलेक्टर और जिला
शिक्षा अधिकारी, सिंगरौली से
इस पूरे प्रकरण की फौरन और
उच्च-स्तरीय जांच की मांग की
है। साथ ही दोषियों के खिलाफ
कड़ी कार्रवाई की भी ग्मारा

लगाई है। शिकायतकतारों ने जो फोटो, वीडियो और पूर्व की शिकायतों से यह बात पूरी तरह से साफ हो जाती है कि विद्यालय में बिजली की कोई सुविधा नहीं है। इसके बावजूद कथित तौर पर स्मार्ट क्लास को हचालूहू कर दिया गया। यह स्थिति सीधे तौर पर दशाती है कि बच्चों को इस तथाकथित स्मार्ट क्लास का कोई लाभ नहीं मिल पाएगा, जबकि इसका उद्देश्य उन्हें गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा से जोड़ना था। बिना बिजली के यह स्मार्ट क्लास महज एक महंगा खिलौना बनकर रह गई है, जिसका खर्च जनता के पैसों से उठाया गया है। ग्रामीण का कहना है कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि बच्चों के शिक्षा के मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है।

बड़ी साजिश हुई फेल: पाकिस्तान में बैठे
खालिस्तानी रिंदा ने भारत भेजा गोला बारुद



नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में बैठे खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा ने मिलकर साजिश रची थी। साजिश के तहत गोला बारूद भारत भेजा गया, लेकिन वक्त रहते ही इसका खुलासा हो गया है। पाकि की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से भारी तादाद में एके 47 हेंड ग्रेनेड गोला-बारूद बरामद हुआ है। सूत्रों की मानें तो पंजाब में भेजी गई खतनाका हाथियों की मोर्चे खेप खालिस्तान आतंकी रिंदा और आईएसआई के इशारे पर भेजी गई थी। पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने ही भारत में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान आईएसआई और खालिस्तानी आतंकी रिंदा भारत में बड़े हमले की साजिश रच रहे थे। खुफिया

एजेंसियों के मुताबिक, आईएसआई की मदद से रिंदा ने पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्थानीय परराधियों और अलगाववादी तत्वों को संगठित करने की कोशिश की। इस खेप में शामिल अलुधनुनिक हथियारों से सफा है कि आतंकियों का इरादा बड़े पैमाने पर हिंसा फैलाने का था। पुलिस अब इस खेप के तार अन्य आतंकी नेटवर्क और तस्करों से जोड़ने की जांच कर रही है। दरअसल, इस खेप में एके-47 राइफलें, हथगोले और अन्य विस्फोटक सामग्री शामिल हैं। पंजाब पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों के बीच साठगांठ से भारत में आतंकी हमले की साजिश रची जा रही है। इस सूचना के आधार पर एंटी-गैंगस्टर इलाक फोर्स ने त्वरित एक्शन लेते हुए सीमावर्ती इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भारत-पाक सीमा के पास एक गुप्त ठिकाने से हथियारों का खजोरा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, यह खेप हरबंदर रिंदा के निर्देश पर तस्करी के जरिए भारत लाई गई थी, जिसका मकसद पंजाब और अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर आतंकी हमले करना था। हरबंदर सिंह रिंदा एक कुख्यात खालिस्तानी आतंकी है।

बिजली कंपनियों में 50 हजार पदों पर भर्ती होगी

एमपी में 35 लाख किसानों का 84 करोड़ रुपए सिंचाई टैक्स ब्याज और पेनल्टी माफ

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट ने पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नए पदों को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद तीनों कंपनियों में नियमित पदों की संख्या 77,298 हो जाएगी। इससे कंपनियों के काम और पावर डिस्ट्रीब्यूशन में सुधार आएगा, तो सविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या घटेगी। कैबिनेट ने 35 लाख किसानों की 84.17 करोड़ रुपए सिंचाई जलकर ब्याज एवं पेनल्टी माफ कर दी है। सरकार किसानों से उड़द और मूंग खरीदने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। केंद्र ने अभी कम मात्रा में खरीदी की मंजूरी दी थी, जिसे बढ़वाया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम राजेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि मोहन सरकार ने राजधानी के होटल लेक च्यू रेसीडेंसी को डिजाइन करने और निर्माण के साथ उसके संचालन, हस्तांतरण के आधार पर पीपीपी मोड पर सौंपने को मंजूरी पहले ही दी थी। अब यह तय किया गया है कि लीज के पंजीयन और स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति विभागीय बजट से की जाएगी। निवेश संवर्धन के लिए यह तय किया गया है कि जो भी डेवलपर आएगा उसे प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाएगी।

35 लाख किसानों का राहत

प्रदेश के 35 लाख किसानों पर कृषि सिंचाई जलकर के ब्याज और पेनाल्टी का 84.17 करोड़ रुपए बकाया है। जल संसाधन विभाग लगातार तकादा लगा रहा था। अब सरकार ने तय किया है कि किसानों से यह राशि नहीं ली जाएगी। कैबिनेट ने राशि माफ करने की मंजूरी दे दी है। यह योजना वर्ष 2026 तक रहेगी और सभी किसानों को एक साल में मूलधन की राशि जमा करने का मौका मिलेगा।

कैपा फंड में मिले 1478 करोड़, नए कामों को मंजूरी

वन विभाग की प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैपा फंड) की वार्षिक कार्ययोजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। कैबिनेट ने



1478.38 करोड़ रुपए सहित कैपा फंड से किए जाने वाले कार्यों को मंजूरी दी है। एमपी की वन भूमि के डायवर्जन के बाद पहले यह राशि भारत सरकार को मिलती है और बाद में केंद्र सरकार राज्य को यह राशि देती है। इस राशि से पौधरोपण, बिगड़े वनों का सुधार, नदियों के पुनर्जीवन, वन सीमा से लगे गांवों में बांस आदि पौधों का रोपण, ग्रामीणों की क्षमता विकास, नगर वनों को तैयार करने जैसे काम इस फंड से किए जा सकेंगे।

मूंग और उड़द की खरीदी के लिए केंद्र की मंजूरी कम, पत्र लिखेगी सरकार

प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी के लिए सरकार की सिक्कीरिटी, हानि की प्रतिपूर्ति और रबी सीजन 2024-25 में टारगेट से अधिक खरीदी गई ग्रीष्म कालीन मूंग की स्वीकृति पर कैबिनेट में चर्चा के बाद फैसला किया गया। इस दौरान 20 लाख टन मूंग खरीदी की संभावना है। भारत सरकार से 3.51 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी मिली है। कैबिनेट ने तय किया है कि भारत सरकार को पत्र लिखें कि 8.57 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी केंद्र की ओर से दी जाए।

मूल्य सूचकांक स्टांप अधिनियम संशोधन विधेयक मंजूर : कैबिनेट में भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के

विविध

कैबिनेट के पहले इन मुद्दों पर चर्चा

रक्षाबंधन पर 250 रुपए लाइली बहना योजना में अलग से दिए जाने का फैसला मुख्यमंत्री ने लिया है। इसके लिए एक करोड़ 27 लाख लाइली बहनों को 12 जुलाई को राशि दी जाएगी।

ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति की 63वीं बैठक में लिए गए फैसलों का कैबिनेट के समक्ष प्रजेंटेशन किया गया। दस जुलाई को गुरु पूर्णिमा के मौके पर स्कूलों और अन्य स्थानों पर कार्यक्रम होंगे। निषादराज जयंती पर सम्मेलन 10 जुलाई को होगा। मछली पालन करने वालों के लिए योजनाएं घोषित की जाएंगी। पांच करोड़ की लागत से केवट समाज प्रशिक्षण केंद्र खोला जाएगा। स्थानीय निधि संपरीक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 1991 में संशोधन को भी मंजूरी देने पर चर्चा हुई।

ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली की 5 से 10 फीसदी वैरिएबल टैरिफ पर बिजली खरीदी के एग्रीमेंट्स को ओपन टेंडर के मामले में भी चर्चा की गई।

लुधियाना में 15606 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। 120 हजार 275 से अधिक को रोजगार मिलेगा।

बीआरटीएस हटने से अच्छे परिणाम सामने आए हैं। हादसे में 51 प्रतिशत की कमी आई है। 70 प्रतिशत मौतें कम हुई हैं।

लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। इस पर 2028 तक काम पूरा करना है।

13 से 19 जुलाई तक विदेश दौरे पर रहेंगे सीएम

मुख्यमंत्री 13 से 19 जुलाई तक दुबई और स्पेन का दौरा करेंगे। व्यवसायिक बैठकें, निवेश प्राप्त करना, अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का काम होगा। साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, वैश्विक निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। एमपी की ब्रांडिंग भी विदेशों में सीएम मोहन यादव करेंगे।

मध्यप्रदेश के 40 हजार बैंककर्मों हड़ताल पर

17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल; 8500 ब्रांच में काम पर असर

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मों बुधवार को हड़ताल पर हैं। वे अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं। इससे प्रदेश की करीब साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ रहा है। ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का समर्थन करते हुए बैंकिंग उद्योग एवं बैंककर्मियों की मांगों को लेकर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आह्वान किया है। जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की मांगों को लेकर यह हड़ताल है। भोपाल में गर्वमेंट प्रेस के पास बैंककर्मों एकजुट होकर मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने बैंककर्मियों को संबोधित भी किया। केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, अपनी 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए यह राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। जिसमें पूरे मध्यप्रदेश के बैंककर्मों भी शामिल हैं। भोपाल में भी प्रदर्शन किया जा रहा है।

भोपाल में 400 शाखाएं, 5 हजार बैंककर्मों

राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, विदेशी, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के 40 हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इससे बैंकों का कामकाज ठप हो गया है। भोपाल में भी हड़ताल का असर देखने को मिल रहा है। यहां विभिन्न बैंकों की 400 शाखाएं हैं। जहां 5 हजार



अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। हालांकि, बैंकें तो खुली हैं, लेकिन कामकाज नहीं हो रहा है। इस वजह से ग्राहक खासे परेशान हो रहे हैं।

इन मांगों को लेकर हड़ताल

केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का निराकरण किया जाए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों को मजबूत करें। बैंकों और एलआईसी में निजीकरण और विनिवेश रोके। बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई बढ़ोतरी रोका जाए। सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई के रूप में विलय करें। पर्याप्त भतियां सुनिश्चित करें। आउटसोर्सिंग और अनुबंध नौकरियों को रोके। एनपीएस को खत्म करें, ओपीएस को बहाल करें। कोर्पोरेट्स से खराब ऋण वसूलने के लिए कड़े कदम उठाएं। आम ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम करें। जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस ले। प्रतिगामी श्रम संहिताओं को लागू करें। ट्रेड यूनियन अधिकारों का उल्लंघन न करें। बैंक कर्मियों की लंबित मांगों का निराकरण शीघ्र करें, आदि। बैंककर्मों अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम सर्वेक्षण 2024-25 में जबलपुर शहर को फिर से मिला सर्वाधिक 100 प्रतिशत अंक

त्रिपुरी टाइम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर शहर की वायु गुणवत्ता में बेहतर सुधार लाने नगर निगम जबलपुर द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के मार्गदर्शन में व्यापक एवं सार्थक प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर नगर निगम जबलपुर को फिर से बड़ी उपलब्धि मिली है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम सर्वेक्षण 2024-25 में जबलपुर नगर निगम को 100 में से 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि शहर में जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के संबंध में शहर में सुन्दर सड़कों का निर्माण, उद्यानों का निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का बेहतर संचालन, पौधारोपण, पेवर् ब्लॉक लगाने, धुलाई एवं सिंचाई करने संबंधी कार्य व्यापक स्तर पर कराए जा रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप जबलपुर शहर वायु गुणवत्ता में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर अपने बादशाहत कायम रखा है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव की सतत मेहनत एवं मार्गदर्शन से शहर को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। इस संबंध में निगमायुक्त श्रीमती यादव एवं स्वच्छ वायु परियोजना के नोडल अधिकारी संभव अयाची तथा सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर शहर के लिए आज बहुत ही गर्व का दिन है, भारत सरकार के पत्रावरण मंत्रालय के अनुसार जबलपुर शहर की हवा को लगातार साफ बनाये रखने पर जबलपुर को 2025-26 के लिए खास तौर पर राशि दी जायेगी।

निगमायुक्त श्रीमति प्रीति यादव ने बताया कि केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) ने जबलपुर के काम की जांच की है, और नतीजे बताते हैं कि शहर में शानदार सुधार हुआ है। 2023-24 के मुकाबले 2024-25 में, जबलपुर की हवा में धूल के कण (पी.एम. 10) काफी कम हो गया है, इसे बहुत अच्छा सुधार माना गया है। इसके साथ ही अच्छी हवा वाले दिनों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। इन बेहतरीन नतीजों के कारण, जबलपुर को 2024-25 के लिए पूरे 100 में से 100 नंबर मिले हैं, यह दिखाता है कि जबलपुर अपनी हवा को साफ रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 2019-20 (जो कि आधार वर्ष था) से तुलना करने पर भी जबलपुर ने अच्छा प्रदर्शन किया है। धूल के कणों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन अच्छी हवा वाले दिनों की संख्या में बहुत इजाफा हुआ है। इस तुलना में भी जबलपुर को 75 नंबर मिले हैं। यह साबित करता है, कि जबलपुर ने लंबे समय से हवा को बेहतर बनाये रखने पर लगातार काम किया है। यह पैसा उन बड़े शहरों को दिया जा रहा है, जिनकी आबादी दस लाख से ज्यादा है। यह राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का हिस्सा है। यह उपलब्धि न केवल जबलपुर के लोगों को साफ हवा देगी, बल्कि दूसरे शहरों के लिए भी एक मिसाल बनेगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने शहर के आम नागरिकों के प्रति साकारात्मक सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया है साथ ही नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के महत्त्वपूर्ण सहयोग की भी सराहना की है।



एसडीएम मैडम कलावती

ब्यारे ने अति वर्षा व बाढ़ की स्थिति का किया मुआयना

अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में एसडीएम गाडरवारा सुश्री कलावती ब्यारे ने मंगलवार को जिले में हुई अतिवर्षा व बाढ़ की स्थिति का मुआयना किया। उन्होंने इस अवसर पर झिकलीघाट साईंखेड़ा में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुल-पुलियों के ऊपर से बाढ़ होने की स्थिति में पुल-पुलियों को पार नहीं करने की समझाइश दी। एसडीएम गाडरवारा सुश्री कलावती ने इस दौरान बालिका छात्रावास और सीएम राइज स्कूल का भी निरीक्षण किया।

छिंदवाड़ा शहर में बसों के स्टॉपेज पूरी तरह बंद

आज से हड़ताल पर जाएंगे बस ऑपरेटर; ऑपरेटर्स बोले- बिना विकल्प के फैसला जनविरोधी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर की सीमा के भीतर अब बसें कहीं नहीं रुकेगी। जिला प्रशासन ने परमिट शर्तों का हवाला देते हुए सभी स्टॉपेज हटा दिए हैं। अब आरटीओ और यातायात विभाग शहर के भीतर बस रुकने पर भारी जुमाना लगा रहे हैं। इससे बस ऑपरेटर नाराज हो गए हैं और 10 जुलाई से सामूहिक हड़ताल की घोषणा कर दी है। अब तक शहर में बसें यात्रियों के इशारे पर बीच रास्ते रुक जाती थीं। लेकिन सड़क सुरक्षा समिति की बैठक और कलेक्टर के निर्देश के बाद अब ये पूरी तरह बंद कर दिया गया है। शहर के भीतर दो बस स्टैंड मौजूद हैं, लेकिन रूट



पर कोई स्टॉपेज तय नहीं है।

ऑपरेटर्स बोले- बिना विकल्प तय किए स्टॉपेज हटाना गलत : सोमवार को एसोसिएशन कार्यालय में हुई बैठक में बस ऑपरेटरों ने 10 जुलाई से बसें बंद करने का ऐलान किया। एसोसिएशन संरक्षक सेवक यादव, राजेश मिगलानी, अजीत पटेल, अमरीश शुक्ला और विमल शर्मा ने कहा कि "कम से कम एक स्टॉपेज तय किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।"

हड़ताल से आम यात्रियों को होगी परेशानी : बसों का संचालन बंद होने से स्कूल, कॉलेज और दफ्तर जाने वाले

हजारों यात्रियों को दिक्कत होगी। जिले और आसपास के रूट पर बस सेवा प्रभावित होगी।

आज से बसें नहीं चलेंगी

"अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो 10 जुलाई से बसें नहीं चलेंगी। यात्रियों की परेशानी की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।" प्रशासन को जल्द निकालना होगा हल अब जरूरत है कि जिला प्रशासन, यातायात विभाग और बस ऑपरेटरों के बीच बैठक कर व्यावहारिक समाधान निकाला जाए, ताकि न शहर का यातायात बिगड़े और न आमजन को दिक्कत हो।

एमपी में नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट

अगले माह रिटायर होंगे सीएस अनुराग और एसीएस कंसोटिया, राजौरा सबसे सीनियर

भोपाल। मध्यप्रदेश में रविवार रात (6 जुलाई) को 9 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए गए। इस फेरबदल के बाद नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर मुख्य सचिव जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता है तो सीएम सचिवालय में अपर मुख्य सचिव रहे डॉ. राजेश राजौरा सबसे सीनियर आईएएस अफसर होंगे। दूसरी ओर, राजौरा के बैच की दिल्ली में पदस्थ महिला आईएएस अलका उपाध्याय ने भी भोपाल में अपनी दिलचस्पी बढ़ा दी है।

31 अगस्त को रिटायर होंगे जैन और कंसोटिया

1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन 11 अगस्त को 60 साल के हो रहे हैं। वहीं उन्हीं के बैच के एक अन्य आईएएस होम जेएन कंसोटिया 12 अगस्त को 60 साल की उम्र पूरी करेंगे। दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ आईएएस की नौकरी जॉइन की थी। इसलिए दोनों ही अधिकारी सर्विस रूल के हिसाब से 31 अगस्त को रिटायर होंगे।

ऐसे में एमपी के नए मुख्य सचिव के पद को लेकर भी प्रशासनिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है। इसे हवा तब मिली जब 6 जुलाई रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा को सीएम सचिवालय से बाहर किया गया और उन्हें नर्मदा घाटी विकास विभाग का एसीएस और प्राधिकरण का



उपाध्यक्ष बना दिया गया। यह विभाग पहले से राजौरा के पास है।

केंद्र की सहमति से तय होगा नया मुख्य सचिव

1 अक्टूबर 2024 को एमपी के मुख्य सचिव बने अनुराग जैन के कार्यकाल में एक्सटेंशन की चर्चा अभी सर्वाधिक है लेकिन मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता तो राजौरा की दवेदारी सबसे अधिक होगी।

जैन के सीएस बनने से पहले राजौरा का नाम फाइनल माना जा रहा था। सीएस के एक्सटेंशन का मामला केंद्र की अनुमति से ही होगा और अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं दिया जाता है तो नए मुख्य सचिव के

पद के लिए नाम भी केंद्र की सहमति से फाइनल होगा।

1990 बैच के हैं राजेश राजौरा, अलका उपाध्याय

अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया के रिटायर होने पर प्रशासनिक मुखिया के पद के लिए एमपी कैडर के सबसे सीनियर अफसरों में 1990 बैच के डॉ. राजेश राजौरा का नाम है। इसके बाद दूसरे नंबर पर इसी बैच की अलका उपाध्याय का नाम भी है। अलका उपाध्याय वर्तमान में केंद्र में पशुपालन विभाग की सचिव के रूप में पदस्थ हैं। पिछले दो महीनों में जिस तरह से एमपी के दौरों को लेकर अलका उपाध्याय ने दिलचस्पी दिखाई है, इसके बाद यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि सीएस पद के लिए राजौरा की दावेदारी के साथ अलका उपाध्याय भी सक्रिय हैं। वे यहां होने वाली प्रशासनिक गतिविधियों की भी रिपोर्ट ले रही हैं।

उज्जैन संभागायुक्त 31 जुलाई को होंगे रिटायर

उधर उज्जैन संभागायुक्त और धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के विभागाध्यक्ष संजय गुप्ता इसी माह 31 जुलाई को रिटायर होने वाले हैं। गुप्ता के रिटायर होने के बाद मुख्यमंत्री के गृह जिले और संभाग में नए संभागायुक्त की पोस्टिंग की जाएगी। इसके पहले जून में सागर संभागायुक्त रिटायर हो चुके हैं जिनके स्थान पर सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थ सचिव अनिल सुचारी को सागर संभागायुक्त पदस्थ किया है।

आज गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करेंगे भक्त

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्त अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करेंगे। संस्कारधानी के विभिन्न आश्रमों में भक्त परिवार सहित गुरु दरबार में हाजिरी देंगे। शहर में विद्यालय महाविद्यालय में भी गुरु पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित किया गए है।

नरसिंह मंदिर गीताधाम

नरसिंह पीठ शास्त्री ब्रिज जबलपुर में श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज के सानिध्य में साकेत वासी महामंडलेश्वर स्वामी रामचंद्र दास शास्त्री, श्रीमद् जगतगुरु श्रीश्याम देवाचार्य महाराज की पूजन अर्चन, प्रातः काल 8 बजे समाधि पूजन पूज्य गुरुदेव भगवान 8 बजे से 10 बजे तक गीताधाम में योगेश्वर भगवान, श्री पारदेश्वर महादेव का पूजन अर्चन प्रातः 10 .30 बजे से 12 बजे तक नरसिंह मंदिर में नरसिंह भगवान का पूजन, गुरु मूर्ति अभिषेक श्रृंगार आरती पूजा होगी। परम पूज्य श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज 1 बजे से गीताधाम में रहेंगे। सभी भक्त वृंदों से उपस्थिति का आग्रह नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त परिवार, श्री सनातन धर्म महासभा जबलपुर ने किया है।

भक्तिधाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

भक्तिधाम गौरीघाट जबलपुर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में स्वामी विश्वक सेनाचार्य महाराज का पूजन, भागवताचार्य स्वामी अशोकानंद महाराज के सानिध्य में व्यास पूजन प्रातः काल 9 बजे , सायं काल 7 बजे तक सायं काल भगवती पराम्बा मां भुवनेश्वरी देवी की आरती, आषाढ़ी पूर्णिमा से श्रावणी पूर्णिमा तक संपूर्ण श्रावण मास में अखंड राम चरित मानस पाठ स्थापना, 30 दिवसीय प्रतिदिन श्री विश्वेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक, पूजन अर्चन, रुद्री पाठ, सुबह 7 बजे से, आयोजित है। महोत्सव में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने का आग्रह वेदान्त शर्मा, आशीष लालू, गुप्तराज तिवारी, पं रामजी शर्मा ने किया है।

श्री गौलोकधाम में गुरु पूजन :

श्री गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गौलोकधाम के अधिष्ठाता "अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु पूज्य कृष्ण किंकर जी महाराज" एवं पूज्या साध्वी सुषमा दीदी के पावन सूक्ष्म सानिध्य में श्री गुरु चरण पादुका पूजन का आयोजन प्रातः 9.00 बजे से पूजन अर्चन एवं हवन के साथ प्रारंभ होगा, साथ ही भगवान सत्यनारायण की कथा पूर्वानुसार आयोजित है। पूजन उपरान्त महाआरती एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न होगा।

श्री गुप्तेश्वर धाम :

स्वयं सिद्ध श्री गुप्तेश्वर धाम में आज गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर प्रातः चार बजे से भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक होगा, साथ ही मंगला आरती पश्चात "गुरु दर्शन पूजन" प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक फिर 3 बजे से 6 बजे तक संस्था आरती पश्चात रात्रि 10 बजे तक रहेगा। गुप्तेश्वर सेवा समिति ने सभी गुरु भाई एवं शिष्यों के लिए विशेष व्यवस्था की है। कल से सावन महोत्सव के कार्यक्रम प्रतिवषानुसार विधिवत होंगे।



जशन-ए- मौला हुसैन कार्यक्रम में हुआ विशाल लंगर-ए-आम

जबलपुर। माहे मुहर्रम के अंतर्गत नया मोहल्ला स्थित बंद कुएं प्रांगण में वरिष्ठ समाजसेवी पण्णू वसीम खान के संयोजन से हजरत इमाम हुसैन की बारगाह मे जशन-ए-मौला हुसैन कार्यक्रम व विशाल लंगर-ए-आम का आयोजन किया गया। प्रतिवर्षासार आयोजित लंगर की कड़ी में कार्यक्रम की सरपरस्ती मौलाना मुफ्ती इम्तियाज कादरी, बाबा मेराज अहमद जमाली, सैय्यद हुसैन रब्बानी, सैय्यद कादिर अली कादरी ने की। कुरान ख्वानी उपरांत शहर में अमन शांति भाईचारा कायम रहने की दुआ की गई। इस दौरान मुख्य रूप से पठान समाज के सरदार पत्रकार हाजी मुईन खान, हाजी निजामुद्दीन, अशरफ शिराजी, इम्तियाज पटेल, अजरहर, अमजद खान, मतलूब अंसारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे व श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। अतिथियो का स्वागत जावेद खान, नजीब खान द्वारा कर सभी का आभार व्यक्त किया।

आयोग ने संज्ञान लेकर दिये निर्देश कच्ची सड़क के कीचड़ में 3 किमी प्रसूता को पैदल लेकर जाने का मामला

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले की तहसील पाटन के ग्राम विवोसा में पक्की सड़क नहीं होने के कारण एक प्रसूता को ग्रामीणों द्वारा कच्ची सड़क के कीचड़ में से 3 किमी तक पैदल लेकर जाने का मामला सामने आया है। कीचड़ और दलदल भरे रास्ते से गर्भवती महिला को लेकर मुख्य सड़क तक ग्रामीणों द्वारा पहुँचाया गया। बारिश के चलते गांव की कच्ची सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। इस कारण ग्रामीणों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को आवाजाही करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मामले को संज्ञान में लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में सुनवाई करते हुए, आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव कुमार टण्डन की एकलपीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच करायकर, सड़क बनाने को लेकर की गई कार्यवाही/प्रस्?ताव का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

नियमित समीक्षा से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में हुआ गुणात्मक सुधार

कमिश्नर जबलपुर ने शासन के कार्यक्रम एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर दिये आवश्यक निर्देश की



त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों से शासन के कार्यक्रम एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने अभियान के तौर पर कम प्रगति वाले राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों की समीक्षा की। उल्लेखनीय है, कि संभागायुक्त द्वारा राजस्व प्रकरणों की नियमित समीक्षा से प्रकरणों के निराकरण में गुणात्मक सुधार हुआ है और निराकरण का 68.11 प्रतिशत पहुंच गया है। बैठक में विशेष रूप से आरबीसी 6(4) के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बाढ आपदा प्रबंधन की तैयारियां, शुद्ध

पेयजल, सीएम हेल्पलाइन, सीपी ग्राम, सीएम मॉनिट एवं सीएस मॉनिट के लंबित प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। संभागायुक्त ने कहा कि पर्वों एवं त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। साथ ही कहा कि शासन के मंशानुरूप ई-ऑफिस संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाये। बीसी में उन्होंने कहा कि विभागीय जांच, अनुकंपा नियुक्ति एवं पेंशन प्रकरणों के निराकरण की दिशा में तत्परता पूर्वक कार्य किया जाये। मानक खाद, बीज की समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन की समीक्षा की। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग टेक होम राशन की समीक्षा की जिसमें इस

दिशा में सुधार आया है। उन्होंने आंगनवाडियों के नियमित संचालन, पोषण, पुनर्वास केन्द्र के संचालन की समीक्षा कर उसके फॉलोअप करने के निर्देश दिये। संभागायुक्त सिंह ने जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास और अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के छात्रावासों के संचालन एवं छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा की। उन्होंने अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत राहत प्रकरण, समग्र में ई-केवायसी किये जाने, पदोन्नति के संबंध में शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही करने के लिए तैयार रहने के साथ मनरेगा के लेबर बजट के प्रगति, जीर्ण शीर्ष विद्यालयों पर प्रोटोकॉल अनुसार कार्यवाही तथा शासकीय विद्यालयों में निःशुल्क पुस्तक वितरण और कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों का शाला में शत-प्रतिशत नामांकन के संबंध में भी समीक्षा की गई। समीक्षा शालाओं में नामांकन,पुस्तक वितरण और अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों प्रवेश की प्रक्रिया सकारात्मक रूप से जारी है। संभागायुक्त सिंह ने इस दौरान प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर दिये आवश्यक निर्देश भी दिए।

हाईकोर्ट का स्कूल शिक्षा विभाग के पीएस व डीपीआई कमिश्नर को अवमानना का नोटिस

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश शासन द्वारा शिक्षको की भर्ती से संबंधित नियमों को 30/6/20१८ में बनाया गया था उक्त भर्ती नियमों के नियम 8 तथा अनुसूची तीन में हाई स्कूल शिक्षक की योग्यता संबंधित विषय में द्वितीय श्रेणी में स्नाकोत्तर तथा बी.एड. डिग्री आवश्यक थी जबकि ठठठठ के नियमों में हाईस्कूल शिक्षक हेतु संबंधित विषय में स्नाकोत्तर 50% अंक तथा बी.एड. आवश्यक है` मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 20१८ में हाईस्कूल शिक्षको की भर्ती हेतु पात्रता परिक्षा का आयोजन किया गया तथा अक्टूबर 202१ से चयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई दस्तावेज सत्यापन में जिन अभ्यर्थियों की अंकसूची में द्वितीय श्रेणी लिखा था उन्हें चयनित कर दिया गया जबकी उनके कुल प्राप्त अंको का जोड़ 8५% है दूसरी ओर जिन अभ्यर्थियों की अंकसूची में तृतीय श्रेणी लिखा था लेकिन अन्के अंक 8५ से 8९.९% थे उनको चयन से बहार का रास्ता दिखा दिया गयां तब कई अभ्यर्थियों द्वारा हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल करके नियमों की संवैधानिकता को दो आधारों पर चुनोती दी गई पहला आधार यह था की भर्ती नियम 8 की अनुसूची तीन संविधान के अनुच्छेद १४ एवं १६ तथा ठठठठ के नियमों विरुद्ध है क्युकी प्रदेश तथा देश की अलग-अलग विश्वविद्यालयों में स्केलिंग की अलग-अलग है कुछ विश्वविद्यालय 8५% से ५९.९% को द्वितीय श्रेणी मान्य करते है तथा कुछ विश्वविद्यालय 8५% से ५0% को तृतीय श्रेणी मान्य करते है, जिसके कारण संविधान के अनुच्छेद १४ के विरुद्ध असमानता है तथा याचिका कर्ताओं को संविधान के अनुच्छेद 16 में प्रदत्त नियोजन में समानता के

अधिकार से बंचित किया गया है जबकी ठठठठ जो शिक्षा के क्षेत्र में देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है उक्त संस्था द्वारा प्रकाशित नियमों में श्रेणी का लेखन करके 50% का लेख है दूसरा मुद्दा यह था की आरक्षित वर्ग को संविधान के अनुच्छेद 3३५ तथा आरक्षण अधिनियम १९९४ के तहत अंको में कम से कम ५% की छूट का प्रावधान है तथा अनुच्छेद १६(१) दिव्यांगों को छूट दिए जाने की व्यवस्था की गई है लेकिन मध्य प्रदेश शासन द्वारा उक्त भर्ती नियम 20१८ में हाईस्कूल शिक्षको की भर्ती में आरक्षित वर्ग एवं दिव्यांगों को छूट का प्रावधान नहीं किया गया है याचिका की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश शासन ने हाईकोर्ट में नियमों में भाविष्यलक्षी प्रभाव से सुधार करने की सहमती दी गई थी, लेकिन कोर्ट ने शासन की उक्त सहमती को खारिज करके याचिकाओं में विस्तृत फैसला पारित करके उक्त नियमों को भूतलक्षी प्रभाव से असंवैधानिक घोषित कर दिया गया तथा स्पष्ट निर्देश दिए गए की पूर्व की नियुक्ति को डिस्टर्ब किए बिना, याचिका कर्ताओं को दो माह के अन्दर नियुक्ति प्रदान करे तथा उन सभी अभ्यर्थियों को जिन्हें उक्त असंवैधानिक नियम के आधार पर अयोग्य किया गया है उक्त सभी की पुरक भर्ती प्रक्रिया अपनाकर ६ माह के अन्दर भर्ती कम्प्लीट की जाए लेकिन मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव (डॉ. संजय गोयल) तथा डी.पी.आई. कमिश्नर (शिल्पा गुप्ता) ने कोई कार्यवाही नही की गई तब दोनों के विरुद्ध हाईकोर्ट में अनेक याचिका कर्ता/अभ्यर्थियों में हरदा निवासी जो अनुसूचित जनजाति की अभ्यर्थी श्रीमती शिवानी शाह, अनुसूचित जाती के अभ्यर्थी रायसेन निवासी प्रदीप अहिरवार, विदिशा निवासी महेंद्र चौधरी, सागर निवासी हेमंत चौधरी, ओ.बी.सी. वर्ग

के अवधेश पाल तथा हुसेन मोहम्मद ने द्वारा अवमानना याचिकाएं क्रमांक 3६९3/202५, 3७७५/202५, 3७७८/202५, 3७७3/202५, 3७७8/202५ तथा 3७७८/202५ दाखिल की गई जिनकी प्रारंभिक सुनवाई पर डॉ. संजय गोयल तथा शिल्पा गुप्ता को न्यायालय के आदेश की अवमाना का नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर हाईकोर्ट में उपस्थित होकर जबाब तलब किया गया है `वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर का कहना है की मध्य प्रदेश की वर्तमान सरकार एवं प्रशासन कई बार न्यायालय में प्रकरणों का हवाला देकर तथा अनेकों बार हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बाबजूद भी आरक्षित वर्ग जिसकी संख्या मध्य प्रदेश में ९2.७९% है उनको संवैधानिक अधिकारों से बंचित किया जा रहा है जिससे स्पष्ट है की प्रदेश में संविधानिक आपातकाल की स्थिति निर्मित हो चुकी है वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है की मध्य प्रदेश सरकार के पास या तो योग्य विधिक सलाहकार नही है या सरकार जानबूझकर आरक्षित वर्ग की अनदेखी कर रही है` वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है की हाल ही में सरकार ने प्रमोशन का कानून बनाया है जिसके विरुद्ध हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल हुई है सरकार को सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट में सरकार द्वारा द्वारा हाईकोर्ट के 20१६ के आदेश के विरुद्ध दायर की गई रखरू(3) बापिस लेना था तथा 2002 के प्रमोशन नियमों को रीपील करना था फिर नए नियम बनाना था, लेकिन सरकार ने जानबूझकर या विधिक सलाह के आभाव में असंवैधानिक रूप से कार्य करके प्रदेश के लाखों कर्मचारी जो 20१६ से प्रमोशन की आशा में थे उनको अब हाईकोर्ट के आदेश की प्रतीक्षा करना पड़ेगी।

चरित्र निर्माण की पाठशाला है विद्यार्थी परिषद

77वां स्थापना दिवस : छात्रशक्ति भवन में ध्वजारोहण व कार्यकर्ता मिलन से गुंजा अभाविप



व्यक्ति निर्माण के साथ-साथ समाज और राष्ट्र निर्माण

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद देशभर में अपने 77 वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को स्थापना दिवस का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया। इसी क्रम में जबलपुर के राइट टाउन स्थित महाकोशल प्रांत कार्यालय में स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के पावन अवसर पर छात्रशक्ति भवन में ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं भव्य कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन परिषद् के सम्पन्न, संगठनात्मक दृढ़ता और राष्ट्रनिर्माण की संकल्पशक्ति का प्रतीक बना। ध्वजारोहण के बाद कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' एवं विद्यार्थी जिंदाबाद, छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति, स्टूडेंट पावर नेशन पावर के नारे गुंजते रहे। इसके पश्चात प्रांत कार्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों, इतिशबाजी और उत्सवमयी उल्लास के साथ स्थापना दिवस को विद्यार्थी उत्सव के रूप में मनाया। पूरे कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय भावना, संगठन निष्ठा एवं गर्व की अनुभूति स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ महानगर मंत्री ऐश्वर्य सोनकर जी ने भूमिका रखी। जिसमें उन्होंने अभाविप के 77 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद एक ऐसा संगठन है जो न केवल छात्रहितां की लड़ाई लड़ता है, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की दिशा में युवाओं को संगठित करने का कार्य भी करता है।

राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने वाला एक जीवंत आंदोलन : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमहाधिवक्ता मध्यप्रदेश शासन



विवेक शर्मा रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद चरित्र निर्माण की पाठशाला है। श्री शर्मा ने अभाविप की राष्ट्रवादी कार्यप्रणाली, छात्रों को संस्कारित नेतृत्व देने की भूमिका तथा संगठन के प्रति अपनी गहरी भावनात्मक निष्ठा को साझा किया और कहा "अभाविप केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने वाला एक जीवंत आंदोलन है।" उन्होंने कहा कि परिषद् की विचारधारा और कार्यपद्धति आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। विशेष रूप से यह भी कहा कि "जब एक छात्र राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है, तभी वह सच्चे अर्थों में अभाविप कार्यकर्ता बनता है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन के उद्देश्य "छात्र शक्ति झ राष्ट्र शक्ति" को आत्मसात करते हुए समाज और देश की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। विवेक जी ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि कैसे परिषद ने उन्हें राष्ट्र सेवा का संस्कार दिया और उनके व्यक्तित्व निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका



बफार्नी बाबा के दर्शन करने 400 भक्तों का जत्था रवाना

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

बुधवार सुबह जम्मू तवी एक्सप्रेस से जबलपुर के शिव भक्त बफार्नी बाबा के दर्शन करने लगभग 400 यात्री राजकुमार सिंह राजेश गुप्ता अभित सोनी, श्री परमार आदि के नेतृत्व में जबलपुर स्टेशन से रवाना हुए। इस यात्रा में जबलपुर, कटनी, शहडोल एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालु बफार्नी बाबा अमरनाथ के दर्शन करने के लिए निकले। भक्त भोलेबाबा के दर्शन कर यात्रा से 18 तारीख को वापस लौटेंगे। बफार्नी बाबा के दर्शन के साथ-साथ लौटते समय माता वैष्णो के दर्शन एवं आरती में सभी भक्त सम्मिलित होंगे। जहां हर महादेव राजेश गुप्ता कटंगा : मुकेश सोनी यात्रियों को विदा करने के लिए ढोल धमाके के साथ विकास सिंह चंदेल, रणजीत सिंह, कृष्णकांतदीक्षित अमन जैन आदित्य गुप्ता आकाश चौरसिया संदीप जैन रजनीश पांडे श्री गणेश मंदिर ग्वारीघाट के महान श्री राम बहादुर शास्त्री जी अपनी टीम के साथ स्टेशन में ब्रह्मालुओं को आशीर्वाद देने एवं त्रिशूल पूजा करने उपस्थित रहे।



राज्य सरकार से

निर्देश प्राप्त करने हेतु

विश्वविद्यालयों ने मांगा समय

छात्रसंघ चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनावों की बहाली को लेकर दायर जनहित याचिका में आज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं न्यायमूर्ति विनय सराफ की खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता अदनान अंसारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश उपाध्याय व अक्षर दीप ने पैरवी की।

सुनवाई के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के अधिवक्ताओं ने कहा कि वे सरकार से आवश्यक निर्देश प्राप्त करने के पश्चात ही इस विषय में जवाब प्रस्तुत कर सकते हैं। कोर्ट ने उन्हें समय देते हुए मामले को आगामी 5 अगस्त 2025 को पुनः सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। यह याचिका प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की पुनः बहाली के लिए दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि लिंगदोह समिति की सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद 2017 से अब तक छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए हैं। जबकि छात्रों से 2250 प्रति वर्ष हूछात्रसंघ शुल्कह लिया जा रहा है।



निभाई। उनका संबोधन युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बना। इस अवसर पर यह भी संकल्प लिया गया कि आने वाले समय में विद्यार्थी परिषद छात्र हितां, राष्ट्र सेवा व सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से लेकर युवा छात्र-छात्राओं तक की भागीदारी रही। सभी ने अभाविप की वैचारिक शक्ति और संगठनात्मक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन दिव्यांक पचौरी जी ने किया। छात्र शक्ति - राष्ट्र शक्ति" के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख रूप से महानगर संघठन मंत्री सतीष गुप्ता,मंत्री प्रांत छात्रा प्रमुख आंचल मिश्रा, भाग संघठन मंत्री, गौरव तिवारी, महानगर सहमंत्री शोभित मिश्रा, रोहित पांडेय, अक्षत ताम्रकार, गौरव बाल्मीकि, सत्यम पटेल, तनिशराज सिंह, अनमोल सोनकर, प्रफुल तिवारी, सार्थक कोरी, शशांक शर्मा, दिव्यांक पचौरी, आशुतोष पटेल, कमल अहिरवार, तृषा पांडेय, मन्था पांडेय, ऋषि पटेल, लखन मांझी, सार्थक चौधरी, अरमान पांडेय, रुद्राक्ष गोटिया, पीयूष सिंह ठाकुर एवं स्थाई कार्यकर्ता डॉ आशुतोष दुबे, डॉ ध्रुव दीक्षित, डॉ राजेश जायसवाल, राजेश ठाकुर, राजा सराफ, निखिल देशकर, चंद्रशेखर पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी। विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पर पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है। दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की

कोशिश की गई।इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए। हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा। गौरतलब है कि दिल्ली में कुछदिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त किया जा रहा था।जাহिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे

कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है।यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच

जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है।माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया

जाएगा।अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं।(साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर

सत्य को प्रमाण की नहीं, प्रणाम की

आवश्यकता है- परम पूज्य श्री श्रीबाबाश्री

गुरु पूर्णिमा पर श्री श्रीबाबाश्री की वाणियाँ ही हमारा मार्गदर्शन करती हैं। क्योंकि वाणियाँ सत्य है और सत्य स्वयं नहीं बदलता, वह जिसे पकड़ लेता है वह बदल जाता है। इसलिए पथिकों और जिज्ञासुओं से परम पूज्य श्री श्रीबाबाश्री जी कहते थे ध्यान रखो, मनन करो ह्नुमने सत्य को पकड़ा ?! या सत्य ने तुम्हें पकड़ा ? हू आगे चेतावनी देते हुए कहा यदि तुमने सत्य को पकड़ा है तो वह छूट सकता है पर यदि सत्य ने तुम्हें पकड़ा है तो फिर सत्य से दूर नहीं हो सकते ।



परम पूज्य “श्री श्रीबाबाश्री जी”

सत्य के बगैर कोई धर्म, धर्म नहीं हो सकता।वैसे ही सत्य के बिना पुरुष पारस नहीं बन सकता, स्त्री का सतीत्व सत्य पर अवलंबित है। 1700 से ज्यादा दिनों से माँ नर्मदा जल पर साधनारत परम पूज्य दादा गुरु के सत्संग में उनकी वाणी है- गुरु जब सत्य के रूप में है तो जीव जगत का आधार है और जब वह तत्व के रूप में है तो वह हमारा अस्तित्व है। काल की गणना नहीं जो काल से मंत्रणा सिखाये वह गुरु है। ह्रसत्य गुरुवै नमः हू जो हमें परिवार, समाज और स्वयं काल से मंत्रणा सिखाये, महामृत्युंज से मिलाये वह गुरु कहलाये। हर काल में जीना सिखाये वह गुरु है। अपने जीवन को निर्विकार सत्य पथ पर चलने के लिए संकल्पित हों तो वह सबसे अच्छा और इसके लिए, अपने मै को, गुरु चरणों में अर्पित कर दो। यदि ऐसा न कर सको तो, जो गुरु सत्ता सत्य को प्रस्तुति कर रही है और परमसत्ता की अभिव्यक्ति दे रही है उस गुरु सत्ता के लिए सब अर्पित, तेरा तुझको अर्पण। सत्य हमें स्वीकार कर ले इसके लिए हमें ही पात्रता सिद्ध करनी होगी, पात्रता का यह मार्ग और उस पर चलने की परीक्षा के लिए लिए भौतिक सामर्थ्य से अधिक जरूरी है अंतर्मन की शुद्धि और सत्य के साथ खड़े होने का साहस और संकल्प। तो सत्य हमारा हाथ थाम लेगा, यह पात्रता शिष्य को ही साबित करनी होती है। महान ग्रन्थ और संहिता सौन्दर्य लहरी में आद्य शंकराचार्य जी गुरु शिष्य के संबंध को अनुग्रह का संबंध कहते हैं, उस अनुग्रह में गुरु का अनुग्रह नहीं है सिर्फ.शिष्य का अनुग्रह ही पूर्ण होने का उल्लेख है। यदि शिष्य का अनुग्रह पूर्ण न हो तो वह गुरु बदल सकता है। इसी प्रकार परम पूज्य श्री श्रीबाबाश्री जी कहते हैं ह्नुनिर्विकार पथह्नु पंथ नहीं है यह पथ है। इससे अच्छा पथ मिले तो चले जाना ह्नुजागो और जगाओ, निर्विकार हो शांति पाओ" पूज्य श्री श्री की वाणी है- सत्य अभिनय नहीं करता, सत्य निर्णय करता है ।

मैंने निर्विकार पथ के पथिक के रूप में जितना भी चैतन्यतापूर्ण जीवन जिया और जो सत्संग से मिला उसे ही शब्दों के रूप में लौटाने और प्रस्तुत करने की कोशिश है ।परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी की वाणी है-सत्य प्रस्तुति के लिए है स्तुति के लिए नहीं। जब पथ पर चलते चलते मैं दुविधाग्रस्त हो रहा था तब सलाखों के बीच से कान पकड़कर, चपत लगाकर, उठाके लगाते मुझे कहा ह्रसत्य को प्रमाण की नहीं, प्रणाम की आवश्यकता है। हम गुरु चरणों में पूर्ण समर्पण नहीं कर पाते, कुछ हद तक अभिनय ज्यादा होता है, कुछ लालच, लाभ और स्वार्थ होते हैं जो हमारे विश्वास को जगह नहीं मिलने देता तभी श्री श्री की वाणी स्मरण आती है ह्रविश्वास होता नहीं है किया जाता है"। आज गुरु पूर्णिमा पर विश्वास के साथ समर्पण का संकल्प पूरा करें। पथिक डॉ एडीएन वाजपेयी के दोहे के साथ गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ ।

"बादल गुरु घन ज्ञान का लिए झूमता जाये । है सुपात्रता शिष्य की, खींचे, पिये, अघाये ।"

लेखक- प्रहलाद सिंह पटेल पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री, मध्य प्रदेश शासन

अपने शरीर की सुनें



एक हैं मिस्टर एक्स। दफ्तर के बाहर अक्सर टकरा जाते हैं। जब भी मिलते हैं किसी न किसी मसले पर किसी न किसी को कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। उन्हें हर किसी से शिकायत रहती है। उनके साथ थोड़ा ज्यादा वक्त बिता लें तो लगोगा कि दुनिया में कुछ भी सही नहीं है। इस बार मिले तो अचानक गिरकर होने वाली मौत पर अपना गुस्सा जताने लगे। कर्नाटक के हासन जिले का उदाहरण देते हुए बोले, देखिए कोविड का टीका कैसे लोगों की जान ले रहा है। वहां एक महीने में 20 से अधिक लोगों की कार्डिएक अरेस्ट यानी दिल की धड़कन अचानक रुकने से मौत हो गई, जिनमें अधिकांश युवा हैं।

वह इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और एम्स की यह बात मानने को तैयार ही नहीं कि वैक्सनीन का इन मौतों से कोई संबंध नहीं। कोरोना संक्रमण ने शरीर पर असर किया है, वैक्सनीन ने तो जान बचाने का काम किया है।

हमने कहा कि डॉक्टर भी लगातार चेता रहे हैं कि कोविड के बाद हमें और संभलकर रहने की जरूरत है, लेकिन लोग अपनी सेहत को लेकर पहले की तरह बेपरवाह हो चुके हैं।

हमारी बातें सुन मुंह बनाते हुए उन्होंने दुकानदार से समोसा, चाय बनने तक एक और सिगरेट मांग ली। हमने सोचा कि ये जनाब खुद अपनी सेहत को लेकर इतने

लापरवाह हैं कि इतने प्रदूषित शहर में रहने के बाद भी चेन स्मोकर हैं और दिनभर बाहर का तला हुआ खाते रहते हैं, लेकिन दोष वैक्सनीन, सरकार और अस्पतालों को दे रहे।

देखिए, यह बात सही है कि युवाओं की ऐसी अकस्मात मौत की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिसे लेकर चिंता वाजिब है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि इसके लिए बहुत से फैक्टर जिम्मेदार हैं, सिर्फ टीके पर दोष मढ़ देना इन मौतों को बहुत हल्के में लेना हो जाएगा। मेडिकल एक्सपर्ट्स इसके लिए खराब जीवनशैली को काफी हद तक जिम्मेदार बता रहे हैं। वक्त प्रेशर, लगातार बैठकर काम करने, पैदल न चलने, नींद पूरी न होने, जंक फूड और स्मॉकिंग की वजह से आज कम उम्र में ही युवा ब्लड प्रेशर, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

अभी कुछ दिन पहले फोर्ब्स 30 अंडर 30 की लिस्ट में शामिल युवा सीईओ हर्ष मैकवान का एक पोस्ट काफी चर्चा में आया था, जो उन्होंने अस्पताल में अपने बेड से लिखा था। यंग प्रफेशनल्स को संबोधित करते हुए हर्ष ने लिखा कि हाल में मैं उस स्थिति में पहुंच गया, जिसकी इतनी कम उम्र में मुझे उम्मीद नहीं थी। मेरे सीने में तेज दर्द हुआ, सांस फूलने लगी, बायां हाथ सुन्न हो गया और कुछ देर में मैं अस्पताल में था। उन्होंने लिखा, महत्वाकांक्षा में मैंने थकान और तनाव को नज़रअंदाज कर सिर्फ डेडलाइन पर फोकस किया लेकिन एक दिन मेरे शरीर ने कह दिया, बस बहुत हुआ। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि मौत को करीब से देखने के बाद अहसास हुआ कि जीवन से बढ़कर कुछ नहीं, इसलिए काम से पहले अपनी सेहत पर ध्यान दें क्योंकि आपका दिल मशीन नहीं। फोन बंद करें, आराम करें और उन पर फोकस करें जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, आप और आपके प्रियजनों।

हालांकि हर्ष को भी यह बात झटका खाने के बाद समझ में आई। खैर, उन्हें तो जिंदगी ने एक मौका दे दिया, पर शरीर के संकेतों को अनसुना करने वाले सब इतने खुशानसीब नहीं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वांचल के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है।

(ललित गर्ग)

यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगाती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जर्मींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगों और जल विद्युत परियोजनाएँ-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है।

दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकी तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सौंदर्यमय रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाड़ों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्यधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियाँ अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह हल जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टटल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएँ, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं।

कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएँ बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत के पंथ में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएँ, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में जटकते हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है, दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हों। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्संथापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसे होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। हर केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

श्रेष्ठ के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर उन्हें प्रणाम करने का पावन दिवस है गुरु पूर्णिमा : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

गुरु पूर्णिमा (व्यास पूजन दिवस)की पूर्व संध्या पर "गुरु" एवं गुरु परम्परा के प्रति अपने भावों की अभिव्यक्ति को मुखरित करते हुये तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने स्थानीय अधारताल स्थित सांदीपनी विद्यालय में उपस्थित छात्र - छात्राओं के समक्ष कहा कि- भारतीय संस्कृति कृतज्ञता मूलक है। भारतवर्ष में परंपरागत रूप से एक महनीय मान्यता और मान्यता आधारित अवधारणा रही है जो आज भी है। अपने से श्रेष्ठ के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर उन्हें प्रणाम करने का भाव सदैव से अक्षुण्ण है।हम वर्ष में एक विशेष दिवस को "गुरु पूर्णिमा महोत्सव"के रूप में आयोजित कर अपने गुरुओं को प्रणामजनिवेदित कर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। स्वामी जी ने उपस्थित विद्यालय के उपस्थित छात्र -छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा- भारतवर्ष का ज्ञान-विज्ञान सदियों से वैश्विक स्तर पर स्थापित रहा है,उस ज्ञान-विज्ञान की परम्परा "कभी लुप्त और सुप्त न होने पाये-इसलिये हम अपने उन प्राचीन ज्ञानी-विज्ञानी,ऋषि-मुनियों को आज भी स्मरण करते हैं जिन्होंने विविध विधाओं का सुजन कर भारत सहित सम्पूर्ण विश्व को अपने ज्ञान-विज्ञान के आधार पर विविध अनुसंधानों और उनके सुपरिणामों से भर दिया है। भारतीय ऋषि-मुनि केवल भौतिक जगत के भौतिक पदार्थों के ही विश्लेषण तक ही सीमित नहीं रहे-उन्होंने लौकिक जीवन की समस्याओं का समाधान तो दिया ही उन्होंने अपनी तपस्व्यां और चिंतन की वृत्ति के आश्रय में पारलौकिक कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। मैं कौन हूँ?में कहाँ से आया हूँ? मुझे जाना कहाँ है?मेरे जीवन का लक्ष्य क्या है? इन मूलभूत प्रश्नों का समाधान भी भारतीय ऋषियों ने मानव मात्र को दिया है और उन्होंने सामूहिक रूप से अपना विशाल संकल्प भी अभिव्यक्त किया है--

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु-मा कश्चित दुःखभाग्यभवेत्।। इतना ही



नहीं - कृपवन्तो विश्वमार्यम् यह उद्घोषणा कर विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। मानव सहित सम्पूर्ण जीवों के प्रति)चींटी से लेकर हाथी पर्यंत देह धारियों के प्रति) संवेदना बनी रहे,ऐसे "मनोवैज्ञानिक सूत्र"भारतीय ऋषि-मुनियों ने विश्व समुदाय के समक्ष रखे ,इसी कारण संसार में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का सम्मान शताब्दियों से स्थापित रहा है।

स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज ने उपस्थित शिक्षक,विद्यार्थियों के समक्ष अपने भाव व्यक्त करते हुये कहा कि - वर्तमान काल की नवोदित युवा पीढ़ी को आज संस्कारवान और संवेदनशील बनाने के लिये अनेक उपायों में एक महत्त्वपूर्ण उपाय ही है कि- आज के बालक-युवा-किशोर सर्वप्रथम अपने माता-पिता गुरुजनों का सम्मान हृदय से करें क्योंकि वे ही हमारे जन्मदाता के साथ-साथ वहीं हमारे प्रथम गुरु हैं;शिक्षा गुरु,अक्षर ज्ञान प्रदाता तो हमें बादमें मिलते हैं जब हम शिक्षण संस्थाओं या गुरुकुलों में शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। भारतवर्ष के प्राचीनकाल के ऋषि-मुनियों ने हमें अनेक प्रकार के उपनिषद् ग्रन्थ दिये हैं।

उपनिषदों में शिक्षा,संस्कार, ज्ञान-विज्ञान,जीवन जीने के महत्त्वपूर्ण सूत्र हमें मिलते हैं जिन्हें हम अपने जीवन का अमर पाथेय मानकर उसके अनुसार श्रेष्ठ और अच्छा जीवन जीने का अभ्यास करते हैं-ऐत्तरीय-तैत्तरीय उपनिषदों का शिक्षा वल्ली प्रकरण बड़ा महत्त्वपूर्ण है-

मातृदेवो भव,पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव, अतिथिदेवो भव ,स्वाध्याय प्रवचनाभ्यां मा प्रमदितव्यम् जैसे सूत्र जीवन में आत्मसात करने योग्य हैं।

गुरु हमारे भारतवर्ष की श्रेष्ठ परम्परा है,संसार में जितने भी लोग महान-हुये हैं वे सब गुरु की कृपा से ही महान- और श्रेष्ठ बने हैं। गुरु की कृपा तो पारस मणि(पारस पत्थर)के समान है। पारस पत्थर को यदि निकट धातु लोहा से छुआ दो तो वह लोहे के सोना बना देता है। पारस लोहे को सोना तो बना देता है परन्तु वह लोहे को पारस नहीं बनाता किन्तु गुरु अपने शिष्य को अपने जैसा गुरु ही बना देता है। हमने अपने बचपन में सन्तों से सुना है एक कीट(कीड़ा) जिसका नाम भुंगी कीट है, वह किसी छोटे जन्तु को अपने पैरों से जकड़ कर उसे अपनी मांद(गुफा)में लेजाकर अपने भू-भू स्वर से बेहोश कर देता है बाद में एक दूसरे गम्भीर स्वर से होश में ला देता है और फिर उस कीड़े को जोर-जोर से अपना स्वर सुनाई कर उसे भी अपने जैसा भुंगी कीट बना देता है,ठीक यही काम गुरु अपने शिष्य के साथ करके उसे भी अपने जैसा बनाकर उसे अनुभव करा देते हैं तू भी अब मेरे जैसा गुरु हो गया शिष्य गुरु के समक्ष अपनी स्वीकारोक्ति देता है गुरुदेव!! वयं सर्वे अमृतस्य पुत्राः, अहं ब्रह्मास्मि।

**पारस और गुरु में बड़ो अंतरो जान।
वो तो लोहा को सोनो करें
गुरु करें आप समान।।
हमें यह हमेशा स्मरण रहे-
गुरुःबहावःसन्ति शिष्य वित्ताप हारकाः
परन्तु**

सद्गुरुःदुर्लभःलोकेश शिष्य संताप हारकः
इस अवसर पर सांदीपनी विद्यालय अधारताल के प्राचार्य श्री प्रकाशकुमार पालीवाल सहप्राचार्य श्रीमती अनिता सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री ए.एन.मिश्रा ने किया,श्री एस.बी.पाण्डे,श्रीमतीसोमल शुक्ला, सपना अग्रवाल,कल्याण यादव,अंजू टेम्बेकर,श्री अरुण जैन,श्री चन्द्रेश तिवारी तथा अवधनारायण मिश्रा ये सभी उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा वापसी आज



त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

वात्री साहू समाज जबलपुर द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट लॉर्डगंज के तत्वाधान में निकाली गई रथयात्रा की वापसी गुरु पूर्णिमा के दिन आज शाम 5 बजे बड़ी खेरमाई मंदिर से निकाली जाएगी। जगत के नाथ जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ 12 दिन मौसी के घर विश्राम के पश्चात अपने मंदिर पहुंचेंगे। वापसी रथयात्रा बड़ी खेरमाई से प्रारंभ होकर, हनुमानताल, मिलोनीगंज, कोतवाली, सराफा, कमनिया गेट, बड़ा फुहरा, चरहाइ होते हुए साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक स्थित अस्थाई मंदिर पहुंचेगी जहां भगवान अपने मंदिर में विराजित होंगे। साहू समाज द्वारा वापसी रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने हेतु भक्तो से उपस्थिति की अपील की गई है।



भारी बारिश में कर्मचारी आंदोलन सफल

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

केंद्रीय देय यूनियन के आह्वान पर ऑल इंडिया डिफेंस एलॉय फेडरेशन द्वारा डिफेंस के निमाणी को आंदोलन स्वरूप एक घंटा लेट उपस्थिति दर्ज कराने हेतु आग्रह किया गया था जो की जबलपुर में भारी बारिश के बावजूद सफल रहा। जबलपुर के विभिन्न निर्माणियों में सुबह से सैकड़ों की तादाद में कर्मचारी एकजुट होकर सरकार की श्रमिक नीति के खिलाफ नारेबाजी की गई। जीसीएफ के मुख्य द्वार पर सैकड़ों की तादाद में कर्मचारी सुबह 7:30 बजे से इकट्ठा होना चालू हो गए और यह आंदोलन 9:00 बजे तक चला 9:00 बजे सभी कर्मचारी निमाणों के अंदर प्रवेश होकर अपना एक घंटा लेट की उपस्थिति दर्ज कराए। जीसीएफ में रोहित यादव विनय गुप्ता उमम विश्वास अमित चंदेल राजा पांडे पार्थ ओझा बीरबल सिंह रिशेरा बेन देवेंद्र भदौरिया राजेश भारती रहलत गुप्ता कृष्ण कुमार शर्मा अमरेश विवेक शुक्ला इत्यादि पदाधिकारी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोनू ने लगाया 52वां स्वास्थ्य शिविर

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मंगलवार को रांझी जन सुविधा केंद्र रावण पास के पास मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे द्वारा लगाया गया 52वा विशाल स्वास्थ्य शिविर जिसमें डॉ पवन स्थापक की टीम के डॉक्टर देशपांडे द्वारा लोगों को चिह्नित कर निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 28 लोगों को अस्पताल भेजा गया,103 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरण किया गया, दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अखिलेश मूलचंदाना द्वारा 27 लोगों के दांत परीक्षण कर उनका उपचार किया गया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सीमा राय द्वारा 32 महिलाओं का उपचार कर दवा का वितरण किया, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आयुषी करसोलिया द्वारा 28 मरीज का निशुल्क उपचार किया गया। सुधीर सोनू दुबे द्वारा बताया गया कि रांझी, मानेगांव, करौदा, गोकलपुर के लोगों ने सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ लिया।



नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश परिक्रमा आज

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

हरे कृष्ण आश्रम भेड़ाघाट में 4 माह चतुर्मास जश्राम के अवसर पर नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश लड्डू गोपाल जी तुलसी मैथु भगवान राधा कृष्ण की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन के माध्यम से आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज के सानिध्य में आसाढ़ पूर्णिमा आज प्रात 6 बजे की जाएगी। साथ में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डा सुशीलअग्रवाल परिक्रमा संरक्षक श्रीमती सुष्माशंकर पटेल मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलाबनबी गुलाब पांड्या कैलाश विश्वकर्मा सुरेश विश्वकर्मा दुर्गा पटेल गड्डू नेता ने की है।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा। क्षेत्र के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्रशी, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच किंव प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीवन rskmp पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे।

दूसरी कक्षा के बच्चे ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे- इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी। ओलंपियाड के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने विस्तृत दिशा निर्देश प्रेषित किए हैं। कक्षा 2 और 3 में प्रत्येक जन शिक्षा केन्द्र से कुल 28 विद्यार्थी जिला स्तर की प्रतियोगिता के लिये चयनित होंगे। कक्षा 6 से 8 में जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर सर्वाधिक अंको के आधार पर 36 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये होगा।

विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पर होगा दो दिवसीय उत्सव

विभाग ने जारी किये निर्देश

अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा। क्षेत्र के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के मौके पर उत्सव का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन आज 10 जुलाई को होगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग से निर्देश जारी किये गए हैं निर्देश में कहा गया है कि आज 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के दिन शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादनी मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और मात्पार्याण कर गुरु वंदना की जायेगी। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरु की महिमा पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। इसी के साथ इस दिन गुरुजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया जायेगा।निर्दिष्ट हो कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में भारतीय मूल्यों संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये कई उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं। उनमें से एक विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया जाना भी एक है।

गन्ना अनुसंधान केंद्र द्वारा अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत

उन्नत प्रजाति के तिल का बीज वितरण



अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना- तिल एवं रामतिल, जवाहर लाल नेहरु कृषि विश्ववि?द्यालय जबलपुर के अंतर्गत गन्ना अनुसंधान केंद्र, बोहानी, नरसिंहपुर के द्वारा विकासखंड बीवली के ग्राम ग्वारी एवं तुड़?नी में दिनांक 20 जून 2025 को खरीफ तिलहन के अंतर्गत तिल की नवविकसित प्रजाति जी.टी.टी.6 का 50 किसानों को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु बीज वितरण किया गया। गन्ना अनुसंधान केंद्र के प्रभारी डॉ. बी. के. शर्मा के निर्देशन में डॉ. डी. के. पंसेश्वर ने किसानों को उन्नत कृषि की तकनीक बताई तथा किसानों को तिलहन की खेती के फायदे भी बताये। उन्नत कृषि की तकनीक की जानकारी देते हुए डॉ. पंसेश्वर ने बताया कि सरकार तिलहन फसल को बढ़ावा देने के लिए गंभीर हैं। डॉ. आशीष तिवारी ने अपने उ?द्घोषकों से तिल फसल की कृषि कार्य माला पर विस्तृत चर्चा की तथा तिल की फसल में नवीन कृषि पद्धतियों का समावेश करने हेतु किसानों को प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉं लाखन सिंह मोहनिया, श्री राजीव काछी तथा कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारी श्री विकास वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी नही होगी बंद : राकेश सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री से की चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा मेडिकल यूनिवर्सिटी में वर्तमान स्वरूप के साथ ही नई शिक्षा नीति के अनुरूप व्यवसायिक पाठ्यक्रम शामिल करने की योजना

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर स्थित मेडिकल यूनिवर्सिटी को बंद करने की खबर भ्रामक और निराधार है, मेडिकल यूनिवर्सिटी बंद नहीं होगी बल्कि इसमें नई शिक्षा नीति के अनुरूप व्यवसायिक पाठ्यक्रम शामिल करने की योजना सरकार बना रही है, यह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा प्रदेश की कैबिनेट बैठक में की गई चर्चा के दौरान कही। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा पिछले कुछ दिनों से एक खबर भ्रामक रूप से चल रही है कि जबलपुर की मेडिकल यूनिवर्सिटी को बंद किया जा रहा

हड़ताल में शामिल हुआ विद्युत अभियंता संघ

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

अखिल भारतीय विद्युत अभियंता संघ (एआईपीईएफ) के आह्वान पर मध्य प्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ और मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ के संयुक्त तत्वाधान में देश व्यापी सांकेतिक हड़ताल में



शामिल होकर जबलपुर एवं प्रदेश के विभिन्न मुख्यालयों पर एकत्रित होकर प्रदर्शन कर विद्युत क्षेत्र के निजीकरण का विरोध दर्ज कराया। अखिल भारतीय विद्युत अभियंता संघ (एआईपीईएफ) और नेशनल कोआर्डिनेशन कमिटी (एनसीसीसीआईओ) के आह्वान पर आज मध्य प्रदेश विद्युत मंडल संघ और मध्य प्रदेश पत्रोपाधि अभियंता संघ ने संयुक्त रूप से निजीकरण और मध्य प्रदेश के अभियंताओं के संयुक्त मुद्दों के त्वरित समाधान हेतु सैकड़ों की संख्या में अभियंताओं ने एकत्र होकर प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में चल रही निजीकरण की प्रक्रिया रोकने हेतु विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन और सभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश विद्युत मंडल संघ के महासचिव विकास कुमार शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बिजली अभियंता व कर्मियों द्वारा निजीकरण के विरोध में सतत आंदोलन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि विद्युत क्षेत्र के निजीकरण से चंद व्यापारिक घरानों एवं पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जाएगा जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश में उपभोक्ताओं को महंगी दर की बिजली मिलेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों विद्युत क्षेत्र के निजीकरण में मनमानी कर रही है तथा अभियंताओं के मुद्दों की लगातार अनदेखी कर निजीकरण की तरफ बढ़ रही हैं। जिसका अभियंता संघ विरोध करता है तथा निजीकरण वापिस नहीं होने पर आगे व्यापक स्तर पर मध्यप्रदेश में भी विरोध किया जाएगा। प्रदर्शन में विकास कुमार शुक्ल, अशोक जैन, मनोज तिवारी, सुरेश त्रिवेदी, निपेंद्र सिंह, इकबाल खान, मुकेश विश्वकर्मा, नेहा सिंह, अंजू निखरे, अभय पटेल, जितेंद्र तिवारी, विकास श्रीवास्तव, प्रशांत भदौरिया, गौरव साहू, नरेंद्र पटेल, दीपक पटेल, पारस झा, नरेंद्र तिवारी,अभिषेक चौकसे प्रकाश सिंह, और शैलेश मौर्वा सहित सैकड़ों अभिनेता संयुक्त रूप से शामिल हुए।

श्रीकृष्ण उपदेश उचित निर्णय लेने में सहायक : जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

द्वार में भगवान श्रीकृष्ण ने उचित समय पर तात्कालिक निर्णय लेने की सीख दी है। महाराज जी ने कहा कि सही समय पर सही निर्णय नहीं ले पाना भी किसी व्यक्ति के असफल होने का एक प्रमुख कारण होता है। आपके निर्णय सही हों पर इससे महत्त्वपूर्ण एक बात ये भी है, कि उस निर्णय लेने का समय भी सही होना चाहिए। व्यक्ति स्वयं अनिर्णय की स्थिति में रहकर अपना अहित कर बैठता है।स्वयं के ऊपर एक क्षण के लिए भी नकारात्मकता को हावी न होने दें। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया है कि अनिर्णय की स्थिति में फँसे व्यक्ति की स्थिति बीच मझाधार में फँसे उस नाविक के ही समान हो जाती है, जिसका बहुत समय उचित और अनुचित मार्ग के निर्धारण में ही निकल जाता है। अनिर्णय की स्थिति ही अनुचित मार्ग पर भटकवा एवं असफलता का कारण बनती है। जीवन में सफल होने के लिए तीन बातें अति आवश्यक हैं, सही फैसले लेें, साहसी फैसले लेें और सही समय पर फैसले लेें। ब्रजधाम में साधु-संतों, पर लताओं की सेवा आज श्री राधाकृष्ण मानकर की जाती है। मित्र के साथ हर सुख दुख में साथ देने का उपदेश ही श्रीकृष्ण सुदामा चरित है। उक्त उद्गार गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर गीताधाम गौरीघाट में अनंत श्री विभूषित पूज्य जगतगुरु डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज के पावन मुखारविंद से पूज्य सद्गुरुओं को उनकी सूक्ष्म उपस्थिति में समर्पित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में सप्तम दिवस की कथा में कहे। आज श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस पर जरासंध वध, श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, श्रीमद् भागवत कथा महात्म्य प्रसंग पर गुरुओं को अपनी भावांजलि, प्रणामजलि, पुष्पांजलि पूजन अर्चन देवज्ञ अरूण शर्मा , श्याम साहनी, हैप्पी परमार,विष्णु पटेल, विध्वेश भापकर, डा संदीप मिश्रा, राजेन्द्र यादव, उमा ठाकुर, मंजू पटेल, पुषकल चौधरी, एकता शर्मा, एस एन शर्मा, संजय अग्रवाल, नन्द परोहा. किरण पांडेय.संदीप तिवारी.अनीता तिवारी. रेखा संतोष खंपरिया. ऋशी तिवारी. शनी परोहा.मोनी परौहा . राजेन्द्र प्यासी.श्रीराम पांडेय. एल पी दुबे. संजय तिवारी ने किया।

लाइन कर्मचारियों द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

7 एवं 8 जुलाई 25 को तेज आंधी तूफान , भारी बारिश के कारण विद्युत लाइनो मे तकनीकी खराबी का किया सामना

अशोक विश्वकर्मा/ गाडरवारा। विद्युत संभाग अंतर्गत सभी वितरण केंद्रों में लाइनों में खराबी आने के कारण समस्त विद्युत कर्मचारी दिन रात विद्युत व्यवस्था सुचारु रखने के कार्य में जुटे रहे। एक ओर भारी वर्षा के कारण कई ग्रामों की बिजली बाधित हो रही थी तो दूसरी ओर सभी कर्मठ विद्युत कर्मचारियों की टीम बिना रुके, भीगते हुए और जान की परवाह किये बिना विद्युत लाइनो की मरम्मत करते रहे। अधीक्षण अभियंता श्री अमित चौहान के नेतृत्व में एवं कार्यालयन अभियंता गाडरवारा के श्री आशुतोष ओझा के निर्देशन में सभी वितरण केंद्र प्रभागियों की देखरेख मे समस्त कर्मचारियों ने मित्रकर समय पर बिजली आपूर्ति कर जनता को राहत दी। इनकी तत्परता और निष्ठा की वजह से ही भारी वारिश मे भी आम जन को रात मे अंधकार का सामना नहीं करना पड़ा। स्थानीय निर्वासियों द्वारा इन विद्युत कर्मचारियों को सलाम करते हुए कहा कि बारिश मे जब हम सब सुरक्षित स्थान पर होते है, तब विद्युत कर्मचारी अपने निष्ठा के साथ हमारी सेवा मे



लगे रहते है। यह साहस और समर्पण काबिले तारीफ है। विद्युत अधिकारी भी कर्मचारियों के जच्चे कि सराहना करते हुए कहा कि, चाहे मौसम जैसा भी हो, हमारा कर्मचारी सेवा मे तत्पर रहता है। ये लाइन मेन एवं बाह्य स्रोत कर्मचारी हमारे सिस्टम का प्रमुख हिस्सा है जिसके सहारे आमजन को समय पर विद्युत आपूर्ति कर पाते है। साथ ही आशुतोष कुमार ओझा द्वारा आमजनों से आग्रह किया कि समय अपना बकाया बिल का भुगतान करें और अनावश्यक कार्यवाही से बचें।





बरसात के मौसम में ट्रेकिंग करते समय नमक का बैग क्यों रखना चाहिए साथ?

मानसून का मौसम शुरू होते ही कई प्रकृति प्रेमी ट्रेकिंग का लुक उठाते हैं. हरे-भरे नजारों और ताजा मौसम के साथ यह समय ट्रेकिंग के लिए बहुत अच्छा माना जाता है. मानसून के मौसम में ट्रेकिंग का मतलब है रोमांच और पर्यावरण का लुक उठाना. लेकिन मानसून के मौसम में ट्रेकिंग करने में कई चुनौतियां भी आती हैं, जिनमें फिसलन भरे रास्ते, भूस्खलन का खतरा, उच्च आर्द्रता, अप्रत्याशित मौसम और कीड़े-मकौड़े शामिल हैं. इसलिए हर तरफ से सतर्क रहना पड़ता है. खासकर पहाड़ी और जंगली इलाकों में कीड़ों और त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रेकिंग पर जाते समय नमक साथ रखना बहुत जरूरी होता है. खबर के माध्यम से जानें ऐसा क्यों?

ट्रेकिंग क्या होता है

ट्रेकिंग आम तौर पर पैदल यात्रा करके जगहों की खोज करने का एक साहसिक तरीका है जिसमें आप कई दिनों तक ग्रामीण इलाकों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों और इलाकों, घाटियों, किलों आदि के नजारों का आनंद लेते हुए यात्रा करते हैं. यह हाइकिंग और वॉकिंग गतिविधियों का एक संयोजन है. लेकिन अगर आप बारिश के मौसम में या वर्षावनों में ट्रेकिंग कर रहे हैं, तो कुछ ऐसी चीजें हैं जिनसे आपको बेहद सावधान रहने की जरूरत होती है.

ट्रेकिंग करते समय नमक अपने साथ क्यों रखना चाहिए?

जोंक और कीड़ों से बचाव : ट्रेकिंग के दौरान जोंक या अन्य कीड़ों के काटने की संभावना बनी रहती है. जोंक या कीड़ों को दूर रखने या काटने की स्थिति में राहत प्रदान करने के लिए नमक का उपयोग किया जाता है. अगर कीड़ों पर नमक लगाया जाए तो वे तुरंत त्वचा से अलग हो जाते हैं, जिससे काटने और किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा कम हो जाता है. नमक की प्ति ु बहुत ज्यादा पसीना आने से शरीर से नमक की कमी हो जाती है. ऐसा कहा जाता है कि नमक का सेवन शरीर में पानी और नमक के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. नमक का उपयोग इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने और थकान को कम करने में भी मदद कर सकता है.

प्राकृतिक प्रतिरक्षा : नमक नेचुरल तरीके से प्रतिरक्षा को बढ़ाता है और स्किन इन्फेक्शन से बचाता है.

अन्य उपयोगी चीजें : ट्रेकिंग पर जाते समय आपको हमेशा पानी की बोतल, फर्स्ट एड बॉक्स, मैप, कंपास, बैटरी टॉर्च आदि चीजें साथ रखनी चाहिए. साथ ही अपने बैग में हल्के और एनर्जी देने वाले खाद्य पदार्थ जैसे सूखे मेवे, मेवे, फल आदि रखें. हो सके तो प्लास्टिक बैग से बचें और कपड़े के बैग या कंटेनर का इस्तेमाल करें.



दलमा अभयारण्य भारतीय हाथियों की महत्वपूर्ण आबादी के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, यहाँ तेंदुआ, स्लॉथ भालू, भौंकने वाला हिरण, जंगली सूअर, चीतल, सांभर, भारतीय गौर, भारतीय पेंगोलिन, भारतीय साही, उड़ने वाली गिलहरी, भारतीय खरगोश और रीसस मकाक जैसे स्तनधारी पाए जाते हैं।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में स्थित दलमा वन्यजीव अभयारण्य (छडुघदडु झुद्धसघदुद्धदु रडुडुहहहहह4) प्रकृति प्रेमियों, साहसिक यात्रियों और वन्यजीव उत्साही लोगों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। यह अभयारण्य जमशेदपुर से लगभग 10-15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और 195 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह क्षेत्र दलमा पहाड़ियों में स्थित है, जिनकी ऊँचाई समुद्र तल से 915 मीटर तक है।

जैव विविधता और वन्यजीव

दलमा अभयारण्य भारतीय हाथियों की महत्वपूर्ण आबादी के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, यहाँ तेंदुआ, स्लॉथ भालू, भौंकने वाला हिरण, जंगली सूअर, चीतल, सांभर, भारतीय गौर, भारतीय पेंगोलिन, भारतीय साही, उड़ने वाली गिलहरी, भारतीय खरगोश और रीसस मकाक जैसे स्तनधारी पाए जाते हैं। पक्षियों में मोर, भारतीय रोलर, भारतीय पिट्टा, मालाबार पाइड हॉर्नबिल, क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल, ओरिएंटल

प्रकृति, रोमांच और जैव विविधता का अद्भुत संगम है दलमा वन्यजीव अभयारण्य

हनी बजर्ड, पीले पाँव वाला हरा कबूतर, व्हाइट-रम्ड शामा, ब्लैक ड्रोंगो, भारतीय पैराडाइज फ्लाइकैचर, भारतीय रॉबिन, ग्रेटर कूकल, ग्रे-हेडेड फिश ईगल और चेजेबल हॉक-ईगल प्रमुख हैं। सरीसृपों में भारतीय अजगर, किंग कोबरा, कॉमन क्रेट, रसेल वाइपर, भारतीय मॉनियर लिजर्ड, कॉमन इंडियन स्किंक, कॉमन इंडियन गिरगिट और भारतीय गार्डन लिजर्ड शामिल हैं।

वनस्पति और प्राकृतिक सौंदर्य

अभयारण्य में मुख्यतः सूखी मिश्रित पर्णपाती वनस्पति पाई जाती है, जिसमें साल, महुआ, बांस, जामुन, आम, नीम, शीशम, अर्जुन, करंज, कदम और अन्य स्थानीय प्रजातियाँ शामिल हैं। दलमा पहाड़ियों की हरियाली और शांत वातावरण इसे ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षक बनाते हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ

ट्रेकिंग और हाइकिंग : दलमा पहाड़ियों में ट्रेकिंग के लिए कई मार्ग हैं, जो 2500 फीट तक की ऊँचाई तक जाते हैं। इन मार्गों पर चलते हुए पर्यटक दलमा टॉप और शिव मंदिर तक पहुँच सकते हैं।

पक्षी अवलोकन : यह अभयारण्य लगभग

300 प्रजातियों के पक्षियों का घर है, जो पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है।

प्रकृति व्याख्या केंद्र : मकुलाकोचा प्रवेश द्वार के पास स्थित यह केंद्र पर्यटकों को अभयारण्य की जैव विविधता और संरक्षण प्रयासों की जानकारी प्रदान करता है।

कैसे पहुँचें मार्ग :

सड़क मार्ग : दलमा अभयारण्य एनएच-33 के पास स्थित है और जमशेदपुर से लगभग 10-15 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ तक पहुँचने के लिए निजी वाहन या टैक्सी का उपयोग किया जा सकता है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन टाटानगर जंक्शन है, जो अभयारण्य से लगभग 20-25 किलोमीटर दूर है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो अभयारण्य से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

दलमा अभयारण्य की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) यहाँ की हरियाली और जल स्रोतों की सुंदरता बढ़ जाती है, लेकिन

भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

अभयारण्य में प्रवेश के लिए अनुमति आवश्यक हो सकती है; यात्रा से पहले स्थानीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करें।

अभयारण्य के अंदर फिसलन हो सकती है; उचित जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें।

दलमा वन्यजीव अभयारण्य न केवल झारखंड का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, बल्कि यह भारत के जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य का भी प्रतीक है। यदि आप प्रकृति, वन्यजीव और रोमांच का संगम अनुभव करना चाहते हैं, तो दलमा अभयारण्य की यात्रा अवश्य करें।

लैंसडाउन के पास मौजूद खूबसूरत जगह घूमने के लिए है बेस्ट, आप भी करें एक्सप्लोर

दिल्ली से करीब 275 किमी दूर स्थित लैंसडाउन उत्तराखंड का एक बेहद मनमोहक, खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से करीब 1 हजार मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। दिल्ली के आसपास होने के कारण दिल्ली एनसीआर के लोग लैंसडाउन घूमने तो जाते हैं। लेकिन यहां से कुछ ही किमी की दूरी पर स्थित गुमखाल जैसे हसीन और मनमोहक जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुमखाल की खूबसूरती, खासियत और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप जून के महीने में यहां पर ठंडी-ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाने पहुंच सकते हैं।

गुमखाल

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित गुमखाल एक सुंदर और शांत गांव है। यह गांव भिलंगना नदी के किनारे बसा हुआ है।



यह जगह लैंसडाउन से करीब 15 किमी दूर, हरिद्वार से करीब 104 किमी दूर, ऋषिकेश से 124 किमी दूर और दिल्ली एनसीआर से करीब 271 किमी दूर है।

गुमखाल की खासियत

पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित गुमखाल एक बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां पर देवदार के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान, घने जंगल, प्राकृतिक सुंदरता और झील-झरने यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। समुद्र तल से करीब 1 हजार से भी अधिक मीटर की ऊंचाई पर गुमखाल स्थित है। जोकि

पौड़ी गढ़वाल जिले का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं गर्मियों में भी यहां पर अक्सर ठंडी-ठंडी हवाएं चलती रहती हैं।

पर्यटकों के लिए है खास

यहां का शांत और शुद्ध माहौल पर्यटकों को सुकून और शांति का माहौल देता है। खासकर ऋषिकेश या मसूरी की भीड़-भाड़ से बचने वाले पर्यटक यहां पर घूमने के लिए पहुंचते हैं। गुमखाल अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां की हसीन वादियों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैपिंग का भी लुक उठा सकते हैं। आपको

गुमखाल में कई ऐसे पॉइंट मिल जाएंगे, जहां पर आप शानदार और यादगार फोटोग्राफी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

गुमखाल के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। आप यहां पर गुमखाल सनसेट, भैरव गढ़ी मंदिर और सनराइज पॉइंट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर सोलिया गांव, स्नो प्वाइंट, कोटी गांव और खरेटी गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।



दीपिका ने रचा इतिहास!

हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम में स्टार पाने वाली पहली एक्ट्रेस

दीपिका पादुकोण का नाम हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार है। अपने इसी योगदान की बदौलत दीपिका ने ना सिर्फ भारत में बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी खूब नाम कमाया। अब एक्ट्रेस के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। अब दीपिका ने कुछ ऐसा कमाया कर दिखाया जो इतिहास में आज तक किसी एक्टर ने नहीं किया।

दरअसल दीपिका का नाम उन ग्लोबल स्टार्स में शामिल हो गया है जिन्हें अगले साल यानी 2026 में हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम सम्मान से नवाजा जाएगा। इसी के साथ ये सम्मान पाने वाली दीपिका पहली इंडियन सेलेब्रिटी बन जाएंगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुई दीपिका के नाम की घोषणा
बुधवार को हॉलीवुड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइली साइरस, टिमोथी चालमेट और अन्य ग्लोबल नामों के बीच इस सम्मान के लिए दीपिका के नाम की घोषणा की गई। हॉलीवुड अभिनेत्री एमिली ब्लंट, फ्रांसीसी अभिनेत्री कोर्टिनाई, कनाडाई अभिनेत्री रेचल मैकएडम्स, इतालवी अभिनेता फ्रैंको नीरो और सेलेब्रिटी शेफ गॉर्डन रामसे को भी हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम स्टार से

सम्मानित किया जाएगा।
वया है हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम?
हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम कैलिफोर्निया की मशहूर ट्रस्ट लोकेशन है। 115 ब्लॉक की इस जगह में अभी तक 2500 से ज्यादा स्टार्स के नाम लगाए जा चुके हैं और अब इसमें दीपिका का नाम भी शामिल हो गया है। इस फेमस ट्रस्ट लोकेशन पर हर साल लाखों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं।

सम-
तुप्ति ने
एक ही लोकेशन की
तस्वीरें शेर की

सैम मचैट की तस्वीरों को देखकर लगता है कि वह गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। जिस होटल में वह रह रहे हैं, वहां पर एक स्वीमिंग पुल है, जिसकी फोटो सैम ने शेर की हैं। बिल्कुल वैसी ही फोटो तुप्ति ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाई है। इससे पता चलता है कि दोनों एक ही जगह पर मौजूद हैं।

क्या तुप्ति ने कबूल किया है रिश्ता

तुप्ति ने इंस्टाग्राम पर जो फोटो शेर की हैं, उसमें खूबसूरत सा होटल दिख रहा है। इस लोकेशन पर तुप्ति ने लिखा है, 'मेरा सीक्रेट हाइडआउट' यानी मेरी सीक्रेट छुपने की जगह। इस फोटो में तुप्ति ने सैम मचैट को टैग भी किया है। ऐसा वह पहले नहीं करती थीं। इससे साफ होता है कि अब तुप्ति खुलकर सैम के साथ अपना रिश्ता स्वीकार कर रही हैं।



चाहत खन्ना ने दूसरे तलाक पर तोड़ी चुप्पी

बताया क्यों पति फरहान मिर्जा से हुई अलग

चाहत खन्ना किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो टीवी इंडस्ट्री का फेमस नाम हैं। उन्होंने राम कपूर के टीवी शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' में दमदार एक्टिंग कर घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी। हालांकि, वो अपनी पर्सनल लाइफ के लिए भी खूब सुर्खियों में रही। उन्होंने दो बार शादी की, लेकिन दोनों बार उनका रिश्ता टूट गया। उन्होंने हाल ही में अपने दूसरे तलाक के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो अपनी बेटियों की खातिर शादी से बाहर निकल गईं।



बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस हाल ही में अक्षय कुमार की मूवी 'हाउसफुल 5' में नजर आई हैं। इस फिल्म में जैकलीन और अक्षय के अलावा एक्टर रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, जोनी लिवर, सौंदर्या शर्मा, डिनो मोरिया, चित्रांगदा सिंह समेत कई रितारे नजर आ रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडिस ने सुकेश चंद्रशेखर संग रिश्ते का बताया सच

बता दें कि एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा दर्ज की गई FIR और चार्जशीट के अलावा निचली अदालत द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेने के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने अपनी याचिका में इस बात को साफ कर दिया है कि उनका टग सुकेश चंद्रशेखर से कोई लेना-देना नहीं है और सुकेश संग मिलकर अद्वितीय सिंघ ने ना सिर्फ उनके साथ थोड़ाबड़ी की है बल्कि उन पर झूठे आरोप भी लगाए हैं। अपनी याचिका में जैकलीन ने सुकेश संग रिलेशनशिप होने से साफ इनकार कर दिया है। जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होने वाली है। बता दें कि एक्ट्रेस ने अपनी याचिका में ये भी कहा कि सुकेश चंद्रशेखर ने जानबूझकर उन्हें टारगेट किया है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वर्क फ्रंट की

हॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने लव अफेयर को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उनके साथ जुड़ा है साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला का नाम। बीते कुछ दिनों से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है और हाल ही में दोनों को देर रात मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेन्ट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर फैसल ने इन्हें लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

फैसल बोले- 'अब तो शादी कर लो भाई!'
कार्तिक और श्रीलीला की ये लेंट नाइट मुलाकात जैसे ही कैमरे में कैद हुई, इंटरनेट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। वीडियो में दोनों को हंसेल-मुस्कुराते और साथ वक्त बिताते देखा गया। फैसल ने कमेंट बॉक्स में मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 'नई जोड़ी सुपरहिट लग रही है।' 'आशिकी 3' से बड़ी नज़दीकियां? सूत्रों की मानें तो कार्तिक और श्रीलीला

अनुराग वसु की फिल्म 'आशिकी 3' में साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स में साथ देखे जा रहे हैं। ऐसे में दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर बातें होना लाजमी है।

श्रीलीला के बर्थडे पर कार्तिक का खास पोस्ट
हाल ही में श्रीलीला के जन्मदिन पर कार्तिक ने एक प्यारी सी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें दोनों काफी क्यूट लग रहे थे। इस पोस्ट ने फैसल के बीच इनकी रिलेशनशिप की चर्चा को और हवा दी।

फैंसल के मामले में भी छार कपल
मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।



इस एक्ट्रेस ने प्रियंका की फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को सराहा

देसी गर्ल ने दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की तारीफ उनके कई हॉलीवुड को-एक्टर्स भी कर रहे हैं। हाल ही में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू की पत्नी और एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की है। नम्रता की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है।

नम्रता ने प्रियंका को अमेजिंग बताया

नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में नम्रता ने लिखा है, 'आप फिल्म में बहुत अमेजिंग थी प्रियंका चोपड़ा। आपने धमाल मचा दिया। मुझे फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' बहुत पसंद आई।' नम्रता की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्ट किया, उनकी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। साथ ही नम्रता के लिए एक मेसेज भी लिखा,

साउथ की मेगा बजट फिल्म का भी हिस्सा प्रियंका
बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा, नम्रता शिरोडकर के पति और एक्टर महेश बाबू के साथ एक साउथ फिल्म 'SSMB29' कर रही हैं। इस मेगा बजट फिल्म 'SSMB29' में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। फिल्म को एस.एस. राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका भारत भी आई थीं। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी जानकारी प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी।

हिंदी फिल्मों में वापसी को लेकर दिया हिंट

पिछले दिनों प्रियंका ने हिंदी फिल्मों में वापसी को लेकर एक इशारा किया। हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान इंडिया टुडे से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूँ और इंडिया को भी।' इस बयान के बाद प्रियंका के भारतीय फैंस को उम्मीद जगी है कि वह जल्द ही किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी।



परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के लिए प्रियदर्शन से मांगी माफी

झायरेक्टर बोले- 'उन्होंने कहा 'मुझे दुख है'

भारतीय कॉमेडी सिनेमा के फैंस के लिए एक सुखद खबर यह है कि दिग्गज एक्टर परेश रावल 'हेरा फेरी 3' में वापस आ गए हैं। निर्देशक प्रियदर्शन ने साल 2000 में इस क्लासिक फिल्म का निर्देशन किया था, उन्होंने अब उन चौकाने वाली घटनाओं के बारे में बताया है, जिसके कारण परेश रावल फिर से इस फिल्म में वापस आए। प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि परेश ने फिल्म से बाहर होने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'अक्षय और परेश दोनों ने फोन करके बताया कि सब कुछ ठीक हो गया है। मैं तब चौंक गया जब परेश ने कहा, 'सर, मैं यह फिल्म कर रहा हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे मन में आपके लिए कभी भी सम्मान के अलावा कुछ नहीं रहा। मैंने आपके साथ 26 फिल्में की हैं, और मुझे छोड़ने का दुख है। कुछ व्यक्तिगत मुद्दे थे।' उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने, अक्षय और सुनील ने मुलाकात की और मामले को सुलझाया।'



कार्तिक आर्यन और श्रीलीला ने साथ में किया डिनर, वीडियो हुआ वायरल

अनुराग वसु की फिल्म 'आशिकी 3' में साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स में साथ देखे जा रहे हैं। ऐसे में दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर बातें होना लाजमी है।

श्रीलीला के बर्थडे पर कार्तिक का खास पोस्ट

हाल ही में श्रीलीला के जन्मदिन पर कार्तिक ने एक प्यारी सी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें दोनों काफी क्यूट लग रहे थे। इस पोस्ट ने फैसल के बीच इनकी रिलेशनशिप की चर्चा को और हवा दी।

फैंसल के मामले में भी छार कपल

मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।

मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।



तुप्ति और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने फिर शेर की एक जैसी तस्वीरें

डिमरी जब
फिल्मों में व्यस्त नहीं होती हैं

तो वेकेशन पर चली जाती हैं। मगर वह अकेले वेकेशन पर नहीं होती हैं, अक्सर रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मचैट भी साथ होते हैं। दोनों एक ही लोकेशन फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं, मगर साथ कभी तस्वीरों में नजर नहीं आते हैं। हाल ही में वेकेशन की कुछ तस्वीरें तुप्ति ने शेर की हैं, जिनमें ऐसा हिंट दिया है, जिससे लगता है कि वह अब दुनिया के सामने अपना रिश्ता सैम मचैट से कबूल कर रही हैं। जानिए, ऐसा क्या लिखा है तुप्ति ने अपनी शेर की गई फोटो में।



सुकेश चंद्रशेखर संग रिश्ते पर जैकलीन ने तोड़ी चुप्पी

हॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस टग सुकेश चंद्रशेखर के कारण लगातार कानूनी पचड़ों में फंसी हुई हैं। बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। सुकेश ने दावा किया था कि वह हॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के रिश्ते में हैं और उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग के पैसों से एक्ट्रेस को करोड़ों के महंगे तोहफे भेजे हैं। केवल इतना ही नहीं टग सुकेश अक्सर जैकलीन के लिए जेल से खत लिखा था, एक्ट्रेस के पिछले बर्थडे पर तो उसने जैकलीन के लिए एक प्राइवेट जेट भी खरीदा था, जिसे एक्ट्रेस के टैट के हिसाब से कस्टमाइज करवाया गया था। अब इसी बीच जैकलीन ने सुकेश संग अपने रिश्ते पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है।

तमन्ना का ग्लैमरस अवतार!

हॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन तमन्ना भाटिया ने एक बार फिर अपने स्टाइलिश अंदाज से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। इन तस्वीरों में तमन्ना का कॉन्फिडेंस और कैमरे सामने बॉल्ड अंजाद लोगों को घायल कर रहा है।

फैंस की बड़ी धड़कनें

इस बार तमन्ना ने ब्लैक स्पोर्ट्स ब्रा और सिल्वर शिमरी लॉन्ग स्कर्ट में अपने लुक को बेहद अलग अंदाज में दिखाया है। इस ड्रेस में एक्ट्रेस ने अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए, कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। तमन्ना ने सिल्वर शिमरी लॉन्ग स्कर्ट के साथ ऊपर से लॉन्ग स्लीव्स जैकेट कैरी की है, जिसे वो कभी पहनकर, तो कभी कंधों से सरकाकर पोज देती नजर आ रही हैं, इनमें उनकी खूबसूरती काबिलेतारीफ दिख रही है। तमन्ना का मेकअप भी उनके लुक को और खास बना रहा है। उन्होंने लाइट आई मेकअप और शार्प लिपवर्क के साथ अपने चेहरे को ग्लोइंग टच दिया है। गले में डायमंड स्टाइल कॉलर नेकलेस, हाथों में स्टाइलिश रिंग्स और एक एलिगेंट घड़ी उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। उनके ऑवरऑल स्टाइल को देख यह कहना गलत नहीं होगा कि मिल्कीव्यू की टक्कर में कोई नहीं है।

हर तस्वीर में तमन्ना का कॉन्फिडेंस और कैमरा के लिए एक्सप्रेशन इतने परफेक्ट हैं, कि हर क्लिक किसी मैगजीन के कवर जैसा लग रहा है, इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, 'दिन और रात की धुंधली रेखाएं।'

तमन्ना की इन तस्वीरों को देखकर सोशल मीडिया पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'बिल्कुल स्लैमिंग!', वहीं दूसरे ने लिखा, 'फोरेवर फेवरेट!'

एक अन्य यूजर का कमेंट वायरल हो गया जिसमें उन्होंने लिखा, 'होटों का काम तो अब आंखें कर रही हैं!'



श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी जबलपुर में है दो प्रिंसिपल !

श्री राम शिक्षण समूह का फजीवाड़ा

Shri Ram Institute of Technology

NEAR ITI, MADHOTAL, JABALPUR, M.P.

About us

Faculty

Departments

Courses & Academic

Faculty Profile

Department of Electrical & Electronics

DR R P BHATELE

Principal

Department of Electrical & Electronics

Shri Ram Institute of Technology

Address:41, NATIONAL COLONY, SHANKAR SHAH NAGAR JBP

Email: rpbhatele@yahoo.co.in

Phone: 9425152817

Experience : 5 years

Education & Qualification : 11th (Old Hr. Sec.)

Publications : Publication Details not available

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा संचालित सभी 10 कॉलेजों की फैकल्टी की जांच टीम त्रिपुरी टाइम्स कर रही है। 26 जून 2025 को आरजीपीवी की साइट की जानकारी के अनुसार उनके सभी कॉलेजों में बहुत बड़ा फैकल्टी का फजीवाड़ा सामने आया है। विगत 3 एपिसोड में आपने देखा कि श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा संचालित श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी जबलपुर में किस तरह फर्जी फैकल्टी दर्शाकर विद्यार्थियों को भ्रमित कर एडमिशन लिए गए। त्रिपुरी टाइम्स की खबर पर विभाग ने जांच प्रारंभ कर दी है। आज हम आपको समूह के द्वारा संचालित दूसरे कॉलेज श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, जबलपुर में शिक्षक फजीवाड़े से रूबरू करा रहे हैं। कॉलेज में कोर्स के अनुसार स्वीकृत सीट के अनुपात में 20 प्रोफेसर, 40 एसोसिएट प्रोफेसर और 119 असिस्टेंट प्रोफेसर होने चाहिए। जबकि असलियत में शिक्षकों की संख्या जो आरजीपीवी भोपाल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार भी 41 फैकल्टी कम है। सबसे बड़ा फजीवाड़ा तो यह है कि एक ही कॉलेज में दो प्रिंसिपल दिखाए गए हैं जो कि नियमानुसार

विधि विशेषज्ञ कह रहे, फजीवाड़े का दर्ज हो मामला त्रिपुरी टाइम्स की टीम कर रही जांच, आगामी अंकों में होगा खुलासा

Shri Ram Institute of Technology

NEAR ITI, MADHOTAL, JABALPUR, M.P.

About us

Faculty

Departments

Courses & Academic

Faculty Profile

Department of Mechanical Engineering

DR SHAILESH GUPTA

Principal

Department of Mechanical Engineering

Shri Ram Institute of Technology

Address:548, anand colony, near Jain temple, baldeoabagh, Jabalpur

Email: drshaileshgupta72@gmail.com

Phone: 7987539502

Experience : 24 years

Education & Qualification : 12th Standard

Specialization : Maths

Publications : Publication Details not available

संभव ही नहीं है। उनके नाम है शैलेश गुप्ता और आरपी भट्टेले।

फैकेल्टी वहां कार्यरत नहीं है

आरजीपीवी भोपाल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार भी 41 फैकल्टी कम है। जांच में त्रिपुरी टाइम्स ने की टीम ने पाया कि दर्शित संख्या में से अधिकांश फैकल्टी वहां कार्यरत ही नहीं है। असली संख्या कहीं अधिक होगी, जो विभागीय जांच के बाद सामने आएगा। प्रश्न यह है कि जब फैकल्टी के नाम ही फर्जी है तो विद्यार्थियों को पढ़ा कौन रहा है ?

गुणवत्ता युक्त शिक्षा के नाम पर लगा रहे

कोई भी विद्यार्थी काउंसलिंग के दौरान जब कॉलेज का चयन करता है तो उसके पूर्व वह आरजीपीवी की साइट पर जाकर कॉलेज के एकेडमी और कैम्पस के विषय में संपूर्ण जानकारी लेकर ही अपना मन बनता है। लेकिन इस व्यापक फजीवाड़े की जानकारी विद्यार्थी को लगती है तो वह अपने आप को ठगा सा महसूस करता है और वह कुछ भी कर पाने में असमर्थ रहता है। इन्होंने हजारों विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के नाम पर चूना लगाया है।

त्रिपुरी टाइम्स

tripuritimes@gmail.com

स्मार्ट सिटी

जबलपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025

08

श्री राम शिक्षण समूह का फजीवाड़ा

त्रिपुरी टाइम्स की खबर पर डीटीई करेगा कार्रवाई

तकनीकी शिक्षा विभाग ने कहा आरजीपीवी से होगा जवाब तलब

रॉयल्टी तो नहीं ले रहे फर्जी नाम वाले...

श्री राम इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी जबलपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं व

त्रिपुरी टाइम्स की टीम कर रही जांच, आगामी अंकों में होगा खुलासा

फॉलोअप

कॉलेज हो रहे संचालित

अपराध खत्म नहीं हुआ, फजीवाड़े का दर्ज हो मामला

अन्य कॉलेजों की भी हो रही है जांच

आपको बता दें कि त्रिपुरी टाइम्स अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कर रहा है। चाहे समाज में होने वाली घटना हो, किसी भी तरह की हलचल हो या कॉलेज में चल रहे फर्जी बड़ा हो। उन सभी घटनाओं की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों तक पहुंचाने का काम त्रिपुरी टाइम्स कर रहा है और अनेक मामलों में पीड़ित पक्ष को राहत भी मिली है। त्रिपुरी टाइम्स की बड़ी टीम शहर में संचालित हो रहे कॉलेज के द्वारा किए जा रहे फजीवाड़े की जांच कर रही है। जिसे आने वाले अंकों में प्रकाशित किया जाएगा।

10 कॉलेज हो रहे संचालित

श्री राम शिक्षण समूह के द्वारा जबलपुर आईटीआई चूंभी नाका के पास वाले परिसर में ये 10 कॉलेज संचालित हो रहे हैं :- श्री राम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी श्रीराम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी

श्रीराम ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस श्रीराम ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस फामेसी श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ फामेसी श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- फामेसी श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- डी फार्मा श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- MCA श्रीराम इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, जबलपुर

अपराध खत्म नहीं हुआ, फजीवाड़े का दर्ज हो मामला :

विधि विशेषज्ञों के अनुसार मामला उजागर होने के बाद साइट अपडेट कर देने से इनका अपराध खत्म नहीं हुआ। कॉलेज की मान्यता तुरंत समाप्त की जाना चाहिए और इन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2), 318(4), 338, 336(4) और 316(5) के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अभी भी इनके एकेडमी में कई फर्जी नाम हैं जिसका खुलासा आगामी अंकों में होगा।

अपराध रहने के लिए बने रहिए हमारे साथ...

सुबह-सुबह लाव-लश्कर के साथ ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचा अमला शासकीय भूमि पर तन रही बिल्डिंग पर चला बुल्डोजर

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद बुधवार सुबह-सुबह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित शासकीय भूमि पर तन रहे भवन पर बुल्डोजर चला दिया गया। यह मामला पिछले सात वर्षों से लंबित था, जिसमें हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद भी कुछ अतिक्रमण काबिज थे और आवंटन के बाद भी अलॉटी उस पर कब्जा नहीं ले पा रहे थे। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कल तलख लहजे में कहा कि 10 दिन के अंदर यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई तो अगली सुनवाई में अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट की फटकार के बाद आज सुबह करीब 8 बजे जिला, नगर निगम और पुलिस प्रशासन का अमला मौके परे



दल-बल के साथ पहुंचा और निर्माण पर बुल्डोजर चला दिया गया। जिस प्लॉट पर कब्जा किया गया था वह नगर निगम के स्वामित्व का था और उसे ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी संघ समिति के नाम पर अलॉट किया गया था लेकिन वहां किसी दूसरे व्यक्ति ने उसपर कब्जा किया और फिर बिल्डिंग तानने लगा। जिसके

बाद समिति ने याचिका लगाकर कोर्ट की शरण ली। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने प्रशासन को निर्देश देते हुए उक्त भूमि पर कब्जा लेकर अलॉटी को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए थे। बताया जा रहा है कि अग्रेजी बाबा मंदिर परिसर में भी कल नोटिस चप्पा कर अतिक्रमण के दायरे में लिया जा रहा था। उस नोटिस को देखकर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और आज सुबह जैसे ही अमला कार्रवाई के लिए पहुंचा, विरोध शुरू हो गया। जिसके बाद याचिकाकर्ता ने प्रशासन को पत्र देकर स्पष्ट किया कि उन्हें मंदिर परिसर से कोई आपत्ति नहीं है, जिससे टकराव टल गया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम गोहलपुर, सीएसपी रीतेश कुमार शिव, अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से सहित अन्य मौजूद थे।

रेलवे अस्पताल के अटेंडेंट ने खाया जहर, हालत गंभीर



त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

इंदिरा मार्केट स्थित केन्द्रीय रेलवे अस्पताल में हॉस्पिटल अटेंडेंट के पद पर कार्यरत एक कर्मचारी को रेलवे अस्पताल के एक डॉक्टर की बात इतनी नागवार गुजरी की उसने क्रोध में आकर जहर का सेवन कर लिया है। अब कर्मचारी रेलवे अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती है और जीवन और मौत के साथ संघर्ष कर रहा है। जहर का सेवन करने वाले कर्मचारी का काम नाम संतोष तामिया बताया जा रहा है। घटना की जानकारी लगते ही वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के पदाधिकारी अस्पताल पहुंच गए और कर्मचारी का इलाज अच्छे से अच्छा हो सके इसके लिए संघ पदाधिकारियों ने अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों से संपर्क किया।

गुरु जी के श्री चरणों में कोटि-कोटि प्रणाम

अनुश्री नेत्र चिकित्सालय एण्ड रेटिना केयर सेन्टर

मोतियाबिंद फेको पट्टति से छेरे वीरे एवं प्रीमियम लेंस का उपचार

काचियाबिंद जाँव एवं लेजर उपचार

रेटिना (ऑयल के परदे) का लेजर एवं ऑपरेशन से इलाज

आर.ओ.पी. सतमाये बच्चों की आँखों की जाँव एवं लेजर उपचार

चश्मे से छुटकारा ICL/ICPL विशेष लेंस

न्यूरो ऑपथलमोलॉजी

संबद्ध योजना द्वारा इलाज उपलब्ध

CGHS आयुष्मान कौशलैय इयूपोर

डॉ. अविजित विश्नोई M.B.B.S., M.S.OPTHAL, F.R.F., F.N.N., I.C.O. नेत्र, फेको, रेटिना एवं आर.ओ.पी. विशेषज्ञ न्यूरो ऑपथलमोलॉजिस्ट

लेंस से वंचित रह गई मोतियाबिन्द ऑपरेशन वाली

आँख में विशेष लेंस प्रत्यारोपण (SFIOL, Iris-Claw Lens)

नौदरा ब्रिज, जबलपुर | मो. : 76102-76101, 91119-99828

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें

सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लॉक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर। फोन : 0761-4085321

सुधा

मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड हाई रिस्क प्रेग्नेन्सी सेंटर

837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804 All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996

ACST Tally PYTHON C++ CPCT JAVA

गौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध

M.Sc PG DCA DCA B.Com TALLY

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस

अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल

बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष 9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरे 10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमिशन पर स्पेशल डिस्काउंट

नोट- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों को साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत 100% रिजल्ट

गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक जॉइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर सम्पर्क- 9303580611, 6263988587, 7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबह: 8 से शाम:4 तक)